जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 18 जनवरी, 2026

आज बुकिंग, कल हैंडओवर

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

कोठी

₹4700/ Sq Ft से शुरू

वॉक-अप अपार्टमेंट

₹4000/ Sq Ft से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दु:खकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपयोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शन्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अत: भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगद्तंत्र, रसायन तथा वाजीकरण हैं। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों की चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्वस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साइंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समठाता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धांतों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तथापि, कुछ सिद्धांत और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमे से कुछ प्रमुख हैं:– 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्रस, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंसर्जनक्रम, 10. आदान-विसर्ग, 11. स्वस्थवृत्त, 12-धारणीय-अधारणीय वेग, 13. सद्वृत्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषायतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्वंश आदि प्रमुख हैं। वस्तुत: इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता काविवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्त्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रन्थों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नल्स को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्ज़बॉर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा है।वर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, समठा-पद्धित या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्नीनिकल ट्रॉयल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन मधु श्लेष्मपित्तप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलत: आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये।

इसी प्रकार आमलकंवय: स्थापनानाम्(च.सू. 25.40) चरकसंहिता का एक महावाक्य है। अनेक शताब्दियों बाद आचार्य वाग्भट ने इसी वाक्य को वयस: स्थापने धात्री (अ.हृ.उ. 40.56) दोहराया है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाओं में आमलकी पर 2,000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों में इन-वाइट्रो और इन-वाइवो अध्ययनों के अलावा कुछ क्लीनिकल ट्रायल्स भी हैं जो निर्विवाद रूप से आँवला में रसायन गुणों को प्रमाणित करते हैं।

इसी प्रकार रक्तशालि या लाल चावल पर 4,849 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध पत्रिकाओं में 2022 तक प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों ने लाल चावल को कैंसररोधी, डायबिटीज-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीजीनोटॉक्सिक, हिपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है।

वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्राय: कुर्सी में बैठे-बैठे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खानपान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनालिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम मन को प्रसन्न रखता है। वस्तुत: व्यायाम त्रिदोषशामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंक्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंक्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंक्रमण ना तो बलार्ध से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गार्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूत्र जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम औरसत्वावजय प्रमुख हैं। कैलोरी व कदम गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्ध-व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रमगण नातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषय:। समाचरेत्काल भोजनंबलस्यार्धव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छांटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलाकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्वृत्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लगाव, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्वृत्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडूष, अभ्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्त, सद्वृत्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साइंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीड़ित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करे। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियान्वयन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्वृत्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

बजट 2026: विश्वास और विकास की नई इबारत

सीए अंशुल चित्तौड़ा

केंद्र सरकार का बजट आगामी माह में पेश किया जाने वाला है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, आगामी केंद्रीय बजट 2026 से देश के करदाताओं और उद्योगों को भारी उम्मीदें हैं। कराधान एवं कॉर्पोरेट मामलों के विशेषज्ञ सीए अंशुल चित्तौड़ा अनुसार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के समक्ष राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखते हुए विकास की गति को तेज करने की दोहरी चुनौती है। यह बजट केवल वित्तीय आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि नए आयकर अधिनियम 2025 के माध्यम से एक पारदर्शी और सुगम कर प्रणाली की नींव रखने का अवसर है।

1. आयकर अधिनियम 2025 का सुगम क्रियान्वयन: -सीए अंशुल चित्तौड़ा के अनुसार, नए आयकर कानून के लागू होने के साथ ही करदाताओं के लिए सबसे बड़ी जरूरत निश्चितता की है। पुरानी टैक्स व्यवस्था अब जटिलताओं और विवादों का कारण बन रही है। ऐसे में सरकार द्वारा पुरानी व्यवस्था के लिए एक सनसेट डेट (अंतिम तिथि) घोषित करना और नई व्यवस्था को अधिक आकर्षक बनाना एक तार्किक कदम होगा। इससे न केवल मुकदमों में कमी आएगी, बल्कि कर प्रशासन में भी सुगमता होगी।

2. पार्टनरशिप फर्म और एलएलपीएस के लिए कर समानता : -वर्तमान टैक्स ढांचे में एक बड़ी विसंगति यह है कि जहाँ घरेलू कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत से 22 प्रतिशत की रियायती दरें मौजूद हैं, वहीं पार्टनरशिप फर्म और एलएलपी आज भी 30 प्रतिशत की फ्लैट दर से कर दे रहे हैं। यह असमानता छोटे और मध्यम स्तर के उद्यिमयों (एमएसएमइएस) पर भारी वित्तीय बोझ डालती है। बजट 2026 में इन संस्थाओं के लिए भी रियायती कर व्यवस्था की घोषणा होनी चाहिए, ताकि उन्हें कॉर्पोरेट संस्थाओं के समकक्ष लाया जा सके।

3. मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमइ को प्रोत्साहन : -मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए नई मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को मिलने वाली 15 प्रतिशत की रियायती कॉर्पोरेट टैक्स दर की समय सीमा को बढ़ाकर मार्च 2027 करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, एमएसएमइ को भुगतान से संबंधित प्रावधानों (धारा 43) में उद्योग-वार व्यावहारिक लचीलापन देने की आवश्यकता है, ताकि व्यापारिक चक्र और गुणवत्ता संबंधी विवादों का समाधान सुचारू रूप से हो सके।

4. अनुसंधान (आरएनडी) और एआइ पर विशेष ध्यान: -भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए विशेष टैक्स क्रेडिट या वेटेड डिडक्शन की वापसी होनी चाहिए। नवाचार पर निवेश करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहन देने से न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि भारत संरक्षणवाद के दौर में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

5. टीडीएस/टीसीएस और सीमा शुल्क में सुधार:- वर्तमान में टीडीएस/टीसीएस की जटिल दरें व्यापार की कार्यशील पूंजी को बाधित करती हैं। इसे सरल बनाकर केवल 3 या 4 व्यापक श्रेणियों में सीमित करना चाहिए। साथ ही, सीमा शुल्क में जीएसटी की तर्ज पर सुधार और लंबित विवादों के लिए एक एमनेस्टी योजना व्यापारिक दक्षता को बढ़ाएगी। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और घरेलू सामान वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

निष्कर्ष: -बजट 2026 का मूल मंत्र "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" और 'विश्वास' होना चाहिए। सीए अंशुल चित्तौड़ा का मानना है कि यदि सरकार इन संरचनात्मक सुधारों को अपनाती है, तो यह न केवल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाएगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगा।

–सीए अंशुल चित्तौड़ा

'कृष्णा लिम्ब' और बीकानेर के सपूत डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना

डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया

हेमन्त चंडीदान उज्जवल

समाज में कभी-कभी ऐसे व्यक्तित्व जन्म लेते हैं, जिनके लिए विज्ञान केवल ज्ञान नहीं, बल्कि करुणा का माध्यम बन जाता है। ऐसे ही एक नाम हैं डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया। उनके जीवन और कार्यों का सबसे उज्ज्वल प्रतीक है - 'कृष्णा लिम्ब'।

'कृष्णा लिम्ब' कोई साधारण कृत्रिम अंग नहीं, बल्कि उस संवेदना का प्रतिरूप है, जिसने विकलांग पशुओं को फिर से चलना सिखाया। यह भारत में पशुओं पर किया गया पहला सफल प्रोस्थेटिक प्रयोग माना जाता है। जिन गायों और पालतू पशुओं के लिए जीवन ठहर-सा गया था, उन्हें 'कृष्णा लिम्ब' ने नई गति दी, नई आशा दी।

जो चल नहीं सकते थे,
उन्हें फिर राह मिल गई।

डॉ. तपेश माथुर का जन्म 16 जनवरी 1971 को बीकानेर में हुआ। उन्होंने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से बी.वी.एस.सी. एवं ए.एच. की उपाधि प्राप्त की। बीते 27 वर्षों से अधिक समय से वे ठाामीण एवं शहरी पशु चिकित्सालयों में सेवाएँ देते हुए पशु कल्याण को अपने जीवन का उद्देश्य बनाए हुए हैं। वर्तमान में वे राजस्थान सरकार के पशुपालन निदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

परंतु उनका वास्तविक परिचय पदों से नहीं, बल्कि कृष्णा लिम्ब जैसी करुणा-प्रेरित खोजों से बनता है।

डॉ. माथुर ने जब पहली बार एक विकलांग गाय को असहाय अवस्था में देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि चिकित्सा केवल दवाओं तक सीमित नहीं हो सकती। वहीं से 'कृष्णा लिम्ब' का विचार जन्मा-एक ऐसा कृत्रिम अंग जो ग्रामीण परिस्थितियों में भी उपयोगी हो, सस्ता हो, टिकाऊ हो और पशु के शरीर के अनुकूल हो। यह प्रयोग न केवल तकनीकी रूप से सफल रहा, बल्कि मानवीय दृष्टि से क्रांतिकारी सिद्ध हुआ।

यह नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर सफल होने के बाद वैज्ञानिक और शैक्षिणक मंचों पर भी सराहा गया। 'कृष्णा लिम्ब' आज इस बात का उदाहरण है कि यदि विज्ञान को करुणा की दिशा मिले, तो वह केवल शोध नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बन जाता है।

जहाँ शब्द मौन हो जाते हैं,
वहीं करुणा उपचार बन जाती है।

डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने यूमिनोटोमी शल्य क्रियाओं में विशेष दक्षता प्राप्त कर गंभीर रूप से बीमार गायों के पेट से प्लास्टिक और अन्य बाहरी पदार्थ निकालने में उल्लेखनीय योगदान दिया। मात्र दो वर्षों में 350 से अधिक सफल ऑपरेशनों के माध्यम से उन्होंने न केवल सैकड़ों पशुओं की जान बचाई, बल्कि उनसे जुड़े अनेक पशुपालक परिवारों की आजीविका को भी सुरक्षित किया।

उनका मानना है कि पशु चिकित्सा केवल इलाज नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने का कार्य भी है।

डॉ. माथुर ने राजस्थान राज्य गौ सेवा आयोग में सचिव के रूप में रहते हुए अनेक नवाचारी योजनाओं की शुरुआत की, जिससे आयोग को राष्ट्रीय पहचान और आत्मनिर्भरता मिली। वे राजस्थान सरकार की नि:शुल्क पशु औषधि योजना के भी प्रमुख सूत्रधार रहे, जिससे लाखों पशुपालकों को सीधा लाभ पहुँचा।

पशुओं के साथ-साथ पक्षियों के प्रति भी उनकी संवेदना उतनी ही गहरी है। वे 'सेव बड्स' अभियान के प्रमुख संरक्षक हैं, जो घायल पक्षियों के उपचार, परिंडे लगाने और जन-जागरूकता के माध्यम से सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करता है।

जो बोल नहीं सकते,
उनके लिए बोलना ही सच्ची सेवा है।

डॉ. तपेश माथुर के कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। उन्हें भारतीय पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा सोसायटी का स्वर्ण पदक (2014), एम.आर. पटेल पुरस्कार (2015), वर्ल्ड वेटरनरी एसोसिएशन का कांस्य पदक (2018-19) तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (2020) सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

वर्ष 2024 में राजस्थान राज्य स्तरीय पुरस्कार उन्हें माननीय मुख्यमंत्री के करकमलों से प्रदान किया गया। वर्ष 2025 में टाइम्स नाउ अमेज़िंग इंडियन अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके नवाचारी और मानवीय कार्यों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। वे (भारत सरकार) के प्रथम पशु चिकित्सक सदस्य भी रहे हैं।

करुणा जो पद से बड़ी है

डॉ. तपेश माथुर का जीवन यह सिद्ध करता है कि जब विज्ञान को संवेदना का मार्गदर्शन मिले, तब वह केवल तकनीक नहीं रहता-वह जीवन बन जाता है। 'कृष्णा लिम्ब' इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है।

पद बदलते हैं,
पर करुणा नहीं।

–हेमन्त चंडीदान उज्जवल,
वरिष्ठ लेखक

राशिफल रविवार 18 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 10:14 तक, हर्षण योग रात्रि 9:11 तक, चतुष्पद करण दिन 12:43 तक, चन्द्रमा सायं 4:41 से मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:14 से सूर्योदय तक है। आज देवकार्य अमावस्या, मौनी अमावस्या, द्वापर युगादि, मेला प्रयागराज और हरिद्वार है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:40 से 9:59 तक, लाभ-अमृत 9:59 से 12:57 तक, शुभ 1:36 से 3:15 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:53

मेष
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मनोरंजन होगा।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 77 प्रभात उदयपुर, रविवार 18 जनवरी, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मुम्बई में ''रिज़ॉर्ट'' राजनीति की वापसी

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुंबई में स्थानीय बीएमसी चुनावों के बाद अब राजनीतिक जोड़-तोड़ और रस्साकशी शुरू हो गई है। भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना, जिसने 29 सीटें जीती हैं, अब अपनी ताकत दिखा रही है।

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में ठहरा दिया है और ''रिसॉर्ट पॉलिटिक्स'' एक बार फिर सक्रिय हो गई है। शिंदे, भाजपा का मेयर बनाने के बदले ''मुँह-माँगी कीमत'' वसूलना चाहते हैं।

रिकॉर्ड के लिए बता दें कि शिंदे मेयर पद के लिए ढाई-ढाई साल के रोटेशन की मांग कर रहे हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस मांग को मानने वाली नहीं है।

लेकिन शिंदे को जो मिलने की संभावना है, वह है स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की कमान, जो कि मेयर पद के बाद, धन-संपन्न बीएमसी की सबसे ताकतवर समिति मानी जाती है।

- भाजपा के 88 पार्षद जीते हैं, पर, बीएमसी में बहुमत पार करने के लिए 117 सीटों पर जीतना जरुरी है। अतः शिंदे ग्रुप द्वारा जीती गई 29 सीटें जरुरी हैं, भाजपा को अपना मेयर बनाने के लिए।
- इसलिए, शिंदे भाजपा से भारी सौदेबाजी करने के मूड में हैं।
- शिंदे का पहला प्रस्ताव है, पहले ढाई साल के लिए उसके नेता को मेयर बनाया चाहिए, जो आधे कार्यकाल के पश्चात मेयर पद छोड़ देगा, भाजपा के लिए।
- शिंदे जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर भाजपा कभी राजी नहीं होगी। अतः ऐसा माना जा रहा है कि शिंदे को बीएमसी में स्टैण्डिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद दिया जाए। यह पद मेयर के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद माना बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में।
- शिंदे का यह भी प्रस्ताव है कि यह बाल ठाकरे की विरासत है कि बीएमसी पर शिवसेना का मेयर ही होता है। अतः शिवसेना (शिंदे ग्रुप) को मेयर पद मिलना ही चाहिए।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस को बीएमसी चुनाव में कुल चार प्रतिशत वोट मिले हैं, इतने कम वोट अब तक कांग्रेस के कभी नहीं मिले हैं। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा यह आरोप लगा रहा है कि इतने कम वोट मिलने का सबसे बड़ा कारण है, मुम्बई के प्रभारी द्वारा कांग्रेस के टिकट बेचना।

विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा का उभार कई राजनीतिक दलों के गलत फैसलों और सही समय पर सही गठबंधन न करने का नतीजा है। उनका मानना है कि कांग्रेस को शिवसेना के साथ गठबंधन करना चाहिए था और मुंबई में टिकटों की बिक्री नहीं करनी चाहिए थी, जैसा कि कांग्रेस के मुंबई प्रभारी ने किया।

कांग्रेस को केवल 4 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पार्टी का अब तक का सबसे कम वोट-प्रतिशत है।

'प.बंगाल में मुम्बई जैसी जीत मिलेगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में कहा कि भारत की जेन ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने हाल ही में मुंबई में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का हवाला देते हुए भरोसा जताया कि बंगाल के मतदाता भी इस बार भाजपा को चुनेंगे।

मालदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत की पुनरावृत्ति बंगाल में भी होगी।

- प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा की एक जनसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल की युवा पीढ़ी को भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा है।

बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे सेना को ठाणे में अपने आप में बहुमत मिला है

शिंदे ग्रुप को 70 सीटों पर ठाणे में विजय हासिल हुई है, जबकि, बहुमत पार करने के लिए कुल 66 सीटों पर जीत जरुरी होती है, 131 सदस्यीय ठाणे म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। पूरे महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में अभी मतगणना जारी है, लेकिन 25 वर्षों बाद ठाकरे परिवार की मुंबई की नगर-सत्ता पर पकड़ ढीली पड़ती दिख रही है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला गठबंधन बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनाव में जीत की ओर बढ़ता नज़र आ रहा है।

भाजपा की नज़र मुंबई के मेयर पद पर है। लेकिन, शिवसेना के बिना भाजपा बीएमसी में बहुमत का आंकड़ा नहीं छू सकती। सूत्रों के अनुसार, एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी से मेयर बनाए जाने के लिए दबाव बना सकते हैं।

शुक्रवार के अंत तक, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना देश के सबसे अमीर नगर निकाय, बृहन्मुंबई महानगरपालिका, पर नियंत्रण पाने की स्थिति में दिखीं, जिसे वे ठाकरे परिवार से छीनने जा रही हैं। ठाकरे परिवार 2022 तक लगातार कम से कम 25 वर्षों तक बीएमसी में मेयर पद पर काबिज रहा था।

कुल आंकड़ों पर नज़र डालें तो 227 सीटों वाली बीएमसी में 117 सीटें गठबंधन के खाते में जाती दिख रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 114 है, जो देखने में पर्याप्त लगता है, लेकिन कहानी में मोड़ भी आ सकता है।

- ठाणे में शिंदे सेना की इस जीत से भाजपा ने थोड़ी राहत की सांस ली है, क्योंकि, ठाणे में अपने प्रत्याशी को मेयर बनाने के बाद शिंदे अब बीएमसी में भी अपनी पार्टी के आदमी को ही मेयर बनाने पर ज्यादा जोर नहीं देंगे।
- और, अभी सार्वजनिक रूप से शिंदे बीएमसी के मेयर पद की जो मांग कर रहे हैं, इसका शायद कारण यह है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को यह ''इम्प्रेशन'' नहीं देना चाहते कि बिना कुछ संघर्ष किये ही उन्होंने बीएमसी का मेयर पद भाजपा को सौंप दिया।

आधी रात तक भाजपा 88 वार्डों में जीत या बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ किसी असंभव गठजोड़ को छोड़ देने की स्थिति में, ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें भाजपा शिंदे की शिवसेना (जो 29 वार्डों में आगे थी) के समर्थन के बिना निगम चला सके।

इस अंकगणित और ''किंगमेकर''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईसीसी के भारतीय अफसर को वीज़ा नहीं दिया बांग्लादेश ने

बांग्लादेश और आईसीसी के बीच टी-20 विश्व कप का विवाद गहराता जा रहा है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच चल रही उच्चस्तरीय वार्ताओं का 'अंतिम दौर' एक बड़ी लॉजिस्टिक समस्या के साथ शुरू हुआ। प्रस्तावित दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वीज़ा संबंधी जटिलताओं के कारण आधा रह गया। आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा प्रमुख एंड्रयू एफग्रेव 17 जनवरी को अकेले ढाका पहुंचे, ताकि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर बने गतिरोध पर बातचीत की जा सके। वहीं, आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता को समय पर वीज़ा न मिलने के कारण पीछे ही रुकना पड़ा।

इस दौरे को क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय शासी संस्था की ओर से एक अंतिम प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट पर मंडरा रहे कूटनीतिक और खेल संबंधी संकट को सुलझाया जा सके।

- आईसीसी (इंटरनैशनल क्रिकेट काउन्सिल) की दो सदस्यीय टीम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ वार्ता के लिए ढाका जाने वाली थी, पर, बांग्लादेश ने टीम के भारतीय सदस्य संजोग गुप्ता को वीज़ा नहीं दिया जो आईसीसी के सीईओ हैं।
- इसके बाद संजोग गुप्ता को रुकना पड़ा और एन्ड्रू एफग्रेव अकेले ही ढाका गए।
- इस यात्रा को गतिरोध दूर करने का आखिरी प्रयास बताया जा रहा था। ज्ञातव्य है कि 7 फरवरी से टी-20 वर्ल्ड कप शुरु हो रहा है।

विवाद की जड़ में बांग्लादेश सरकार और बीसीबी द्वारा उठाई गई सुरक्षा चिंताएं हैं। बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से शीर्ष क्रिकेट संस्था से अनुरोध किया है कि मौजूदा राजनीतिक हालात और अपने खिलाड़ियों व स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए, उनके निर्धारित ग्रुप-स्टेज मुकाबलों को भारत से श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए।

सहकर्मी की अनुपस्थिति में, अब बातचीत का पूरा बोझ केवल एफग्रेव पर है। अंतरराष्ट्रीय खेल सुरक्षा में व्यापक अनुभव रखने वाले पूर्व ब्रिटिश पुलिस अधिकारी एफग्रेव से अपेक्षा है कि वे एक विस्तृत सुरक्षा योजना पेश करेंगे, जिससे बांग्लादेशी अधिकारियों को यह भरोसा दिलाया जा सके कि भारत में टी20 वर्ल्ड कप मैचों के दौरान उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो पर 22 करोड़ रु. का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 जनवरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो संकट की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को भी इस मामले में आगाह किया है।

- दिसंबर के पहले सप्ताह में आए संकट के मसले पर डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने यह जुर्माना लगाया और एयरलाइन के सी ई ओ को हटाने का भी निर्देश दिया।

गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी की वापसी अच्छा संकेत नहीं है भारत के लिए

ईरान का राज परिवार अपने पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाना जाता रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जनवरी। ईरान के निर्वासित युवराज रज़ा पहलवी, जो सरकार-विरोधी अशांति के बीच अपने पुराने साम्राज्य में संभावित वापसी की कोशिश कर रहे हैं, का कहना है कि उनके नेतृत्व में ''लोकतांत्रिक ईरानी राज्य'' भारत के साथ घनिष्ठ और सहयोगपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, सभ्यतागत और ऐतिहासिक रिश्तों का हवाला दिया।

वॉशिंगटन में आयोजित एक भीड़भाड़ वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पहलवी ने कहा कि भारत और ईरान के संबंध बहुत लंबे समय से चले आ रहे हैं और यह रिश्ता आधुनिक कूटनीति से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, ''सांस्कृतिक रूप से यह रिश्ता वर्षों पुराना है'' तथा आधुनिक इतिहास में भी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध रहे हैं।

हालांकि, ईरान में पहलवी की संभावित वापसी भारत के लिए मिले-जुले संकेत प्रस्तुत करती है। एक ओर, जहाँ इससे प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खुल सकते हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के करीबी और पाकिस्तान-समर्थक ईरान का उभरना भारत के लिए जोखिम भी पैदा कर सकता है, खासतौर पर चाबहार बंदरगाह तक भारत की पहुंच को लेकर।

- रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, 1941 से 1979 तक ईरान की सत्ता पर काबिज़ थे। उन्होंने पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंध विकसित किए थे तथा 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया था और वे कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के पक्ष में थे।
- युवराज रज़ा पहलवी ने वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए न केवल लोकतांत्रिक सुधारों की बात कही बल्कि भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थन किया और कहा, दोनों देशों के सैंकड़ों सालों से नज़दीकी संबंध रहे हैं।
- रज़ा पहलवी का आगमन भारत पर मिला जुला प्रभाव डाल सकता है, दोनों देश में तकनीकी व आर्थिक संबंध बेहतर हो सकते हैं, पर, अमेरिका समर्थित व पाकिस्तानी रुझान वाला ईरान भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता और चाबहार पोर्ट तक भारत की पहुँच को प्रभावित कर सकता है।

ऐतिहासिक रूप से, रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, जो 1941 से 1979 तक ईरान के अंतिम शाह थे, के शासनकाल में ईरानी राजशाही के पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध थे। ईरान पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक अहम बफर स्टेट मानता था।

शाह ने 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। उनके शासन में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के रुख का जोरदार समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आक्रामक ठहराया। यह रुख 1979 के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक के अपेक्षाकृत तटस्थ रुख से बिल्कुल अलग था।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

- मृतक लिटन चंद्र घोष की मिठाई की दुकान थी और दुकान पर काम करने वाले लड़के को बचाने पर हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़ा मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी सुरक्षा के लिए अजीबोगरीब अपील की

हालांकि, यह भी सच है, ममता बनर्जी ने यह अपील, संविधान की सुरक्षा की मांग के छद्म रूप में की

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जनवरी। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की जांच पर रोक से इनकार और स्थानीय पुलिस को ईडी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर आगे कार्रवाई न करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से हुए नुकसान को झेल रहीं ममता बनर्जी ने आज भारत के मुख्य न्यायाधीश से संविधान की रक्षा का नाम लेते हुए खुद को सुरक्षा देने की मांग की।

ईडी द्वारा कंसल्टेंसी फर्म ''आई पैक'' के दफ्तरों पर की गई छापेमारी से जुड़े अपने आचरण को लेकर खुद को घिरा हुआ महसूस करते हुए ममता बनर्जी ने यह कदम उठाया। वे कलकत्ता उच्च न्यायालय की उत्तर बंगाल पीठ के लिए बने नए अदालत भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने आई थीं।

वे अपनी सुरक्षा की अपील सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कर रही थीं, जो अन्य विधि विशेषज्ञों के साथ इस समारोह में उपस्थित थे। यह एक विचित्र स्थिति थी, जिसमें अभियुक्त और कथित अपराधी स्वयं अपनी जवाबदेही से बचने के लिए कानूनी संरक्षण मांग रहा था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता स्थित कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के दफ्तरों में जांच करने को लेकर ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। राज्य की मुख्यमंत्री ने खुद कोलकाता में फर्म के मुख्यालय पर चल रही जांच के दौरान वहां से फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर और मोबाइल फोन सहित, सारी महत्वपूर्ण सामग्री उठा ली थी।

ईडी करोड़ों रुपये के एक कोयला घोटाले की जांच कर रही थी, जिसमें एक सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी के लीज क्षेत्रों में अवैध खनन शामिल था। बाद में इस धन को हवाला चैनलों के जरिए भेजा गया। ईडी ने इन जांचों के लिए आवश्यक सामग्री की चोरी को लेकर शिकायत दर्ज कराने की मांग की थी।

- ममता बनर्जी ने कोलकाता हाई कोर्ट की उत्तर बंगाल बैंच के लिए निर्मित न्यायालय भवन के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान यह मांग की।
- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी इस समारोह में शरीक होने, दिल्ली से आए हुए थे तथा ममता बनर्जी की अपील को उन्होंने ध्यान से सुना।
- जैसा कि विदित ही है, ममता बनर्जी एक कंसलटैंट फर्म, आई-पैक के दफ्तर पर ईडी द्वारा की जा रही ''रेड'' के दौरान पुलिस के एक दस्ते के साथ वहाँ पहुँचकर कई सबूत की फाइलें, कागज़ात व कम्प्यूटरों आदि के अधिग्रहण कर अपने साथ ले गईं थीं।
- उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराकर मांग की थी कि ईडी की रेड को स्थगित कराया जाए तथा निर्देश जारी किए जाएं कि स्थानीय पुलिस के खिलाफ ईडी द्वारा जारी एफआईआर पर भी कुछ आगे कार्यवाही न की जाए।
- सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की दोनों मांगों को अस्वीकार कर ममता बनर्जी व पुलिस के दस्ते को नोटिस जारी किये थे।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कोयला माफिया की अवैध गतिविधियों की जांच कर रही है, जो एक गंभीर आर्थिक अपराध है। इसमें मुख्यमंत्री का व्यवहार अभूतपूर्व था और उच्च स्तरीय आर्थिक अपराध की जांच से जुड़ी सामग्री की स्पष्ट चोरी के समान था। सामान्य परिस्थितियों में इस तरह के आचरण पर तुरंत गिरफ्तारी और अभियोजन होना चाहिए था।

ममता बनर्जी इस तरह का आचरण पहले भी कई बार कर चुकी हैं और किसी भी प्रकार के दंड के बचती रही हैं। लेकिन इस बार उनके खिलाफ जन असंतोष और कार्रवाई की मांग कहीं अधिक मजबूत है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 जनवरी से पहले आतंकी हमले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 17 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और

- इन्टेलिजैंस सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश तथा खालिस्तानी आतंकी समूह पंजाब के गैंगस्टर्स के सम्पर्क में है और कोई बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं। पंजाब के ये गैंगस्टर्स हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में सक्रिय हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क अलवर में विकसित किया जाएगा'

दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे : वन मंत्री संजय शर्मा

- अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा : वन मंत्री
- 'केंद्र सरकार से मंजूरी मिली, अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा'
- ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे वन मंत्री

अलवर, (निसं)। दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे। अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा, जिसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को राज्य सरकार के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने अरावली की पहाड़ियों पर कार्यकर्ताओं के बीच दी। वे ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे थे।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित बायोलॉजिकल पार्क में देश-विदेश के कई दुर्लभ वन्यजीवों को लाया जाएगा, जिससे अलवर पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान बनाएगा। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि इस बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गुजरात के गिर क्षेत्र के बब्बर शेर, विभिन्न नस्लों के टाइगर सहित कई अन्य वन्यजीव देखने को मिलेंगे। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। इसी पहाड़ी पर कुछ दिन पहले कांग्रेस के नेता अरावली बचाने की मांग करते हुए चढ़े थे। उसके बाद अब वन मंत्री भी उसी पहाड़ी पर पहुंचे हैं। अरावली क्षेत्र को लेकर राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए वन मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता अरावली बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन खुद एक भी पौधा नहीं लगाते। हाल ही में कार्यकर्ताओं के साथ पहाड़ी पर चढ़कर सैकड़ों पौधे तोड़ने का आरोप भी लगाया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्हें पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पहले वर्ष में 7 करोड़ और दूसरे वर्ष में 11 करोड़ से अधिक पौधे जनसहयोग से लगाए जा चुके हैं, साथ ही उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वन मंत्री ने भरोसा दिलाया कि डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में आने वाले वर्षों में अलवर सहित पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन और पर्यटन विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट धरातल पर उतरेंगे।

अलवर शहर में कटी घाटी के बगल में बहुत पुराना प्रेम रत्नाकर बांध है। जिसमें 30 साल से अवैध निर्माण जारी है। यहां सैकड़ों मकान बन चुके हैं। बांध के घने भराव क्षेत्र में निर्माण नहीं हुआ है। प्रेम रत्नाकर बांध में हो रहे अवैध निर्माण पर सवाल किया तो वन मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि यहां कोर्ट के आदेश आए हुए हैं। उसके अनुसार ही पट्टे मिलेंगे। अभी संभवतया पट्टे नहीं मिले हैं, लेकिन हमने जल संरक्षण के लिए आसपास कई बड़े एनिकट बनाए हैं। सरकार लगातार जल संरक्षण पर ध्यान दे रही है। ताकि अलवर शहर के पानी के संकट को दूर किया जा सके।

सरिस्का में राजमाता की तरह नगर वन में टाइगर की प्रतिमा लगी है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जिसे देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान लोग टाइगर की प्रतिमा के पास खड़े होकर सेल्फी लेते हुए नजर आए।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में टहला में जमीनों की बंदरबांट की गई। बाद में धांधली पकड़ी गई तो कलेक्टर को हटा दिया गया था। जिससे कांग्रेस की मंशा का पता चलता है। अब यदि आवंटन खारिज करने के बाद जमीनों पर कब्जे होने लगे हैं तो उसकी जांच कराएंगे।

भवानीमंडी में अवैध रूप से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी पर छापा

- पुलिस ने लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है
- बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है, यह कारखाना पशुओं के बाड़े की आड में चल रहा था
- पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं एमडीएम जब्त की

भवानीमंडी, (निसं)। सर्किल के मिश्रोली थाना क्षेत्र में चल रही अवैध तरिके से ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस ने छापामार कार्यवाही कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बनाने की भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं व्यापक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम जप्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहनो को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थ एमडीएम के निर्माण कारखाना पर पुलिस ने कार्यवाही में लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है। बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है। यह कारखाना पशुओ के बाडे की आड में एमडीएम पावउर निर्माण का अवैध गोरखधंधा चल रहा था। यह कार्यवाही पुलिस थाना भवानीमंडी व मिश्रोली की संयुक्त टीमों ने की है। अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम. के निर्माण कारखाना में संलिप्त आरोपी गोपाल सिह, दिनेश सिंह, नरेन्द्र सिंह फरार है, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों पर 25000-25000 रूपये इनाम घोषित किया है।

हथियार बरामदगी मामले में दो कांस्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला डीएसटी पश्चिम ने कुड़ी स्थित सेक्टर 8 में शुक्रवार रात एक युवक से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस जब्त किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल सहित दो और युवकों को भी हिरासत में लिया गया। पिस्तौल सप्लाई में कांस्टेबल की भी संदिग्ध भूमिका आई है। पुलिस ने आज दो कांस्टेबल रामप्रकाश और भोमसिंह को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार प्रकरण में तीन लोग अब गिरफ्तार बताए गए है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात में कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इस सूचना पर डीएसटी पश्चिम को सक्रिय किया गया। एसआई महेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस ने तलाश के बाद केबीएचबी सेक्टर आठ के पास अर्शलान खिलजी को पकड़ा। तलाशी लेने पर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह भोमसिंह से यह पिस्तौल लाया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे भी हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ में पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल की भूमिका सामने आई। आरोप है कि पिस्टल दिलाने में कांस्टेबल ने मध्यस्थता की थी। इस पर कांस्टेबल को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आज दो कांस्टेबल भोमसिंह एवं लाइन में तैनात रामप्रकाश को पकड़ा गया है।

विदेशी महिला से छेड़छाड़, एक जने को पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने विदेशी महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले ऑटो चालक को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार शहर भ्रमण के लिए आई आस्ट्रेलिया निवासी युवती 15 जनवरी को ऑटो में बैठ कर घूमने के लिए निकली, जहां ऑटो चालक उसे ऑटो में बैठा बार में ले गया, जहां चालक शराब पीने के बाद अभद्रता करने लगा। इसको देख युवती ने मौके से भागकर थाने पहुंच पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी मय टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने बालु मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर परिवहन करने पर कार्यवाही करते हुये बालु मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नाजिम अली के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के निर्देशन में थानाधिकारी रणवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर शुक्रवार 16 जनवरी को रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को कागजात के अभाव में धारा 207 एमवी एक्ट में जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 16 जनवरी को हैड कानि. ओमप्रकाश ने मय जाब्ता अवैध खनन के विरूद्ध चैकिंग के दौरान रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को परिहवन करते हुये कागजात के अभाव में जब्त की, जिनके चालान न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे।

जोधपुर में मालाणी डेयरी समूह के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली

टीम को साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली, तीसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी

- विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है, समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव की छानबीन जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मालाणी डेयरी समूह पर तीसरे दिन शनिवार को भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। उत्तर प्रदेश से आई इन्वेस्टिगेशन विंग की टीमों ने इस ग्रुप के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली है।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में टीम को करीब पांच करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का करीब साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली है। विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है। इसके अलावा कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन की जा रही है। जोधपुर में व्यापारी घनश्याम सोनी की फर्म और घर में यूपी से आई आयकर विभाग की टीम तीन दिन से छानबीन कर रही है।

व्यवसायी घनश्याम सोनी और उनसे जुड़ी फर्मों पर 15 जनवरी से कार्रवाई की जा रही है। सोनी के शास्त्री नगर, मंडोर मंडी, बोरानाडा, न्यू पॉवर हाउस रोड और भीतरी शहर स्थित मकान सहित 5 ठिकानों पर रेड शुरू हुई थी। तीन दिन से घर और दफ्तर पुलिस छावनी बने हुए हैं और किसी को भी बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

छापेमारी के दौरान आयकर अधिकारियों का पूरा फोकस अब इलेक्ट्रॉनिक सबूतों पर है। इसके लिए विभाग की टीमें समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन कर रही है। इसके अलावा मालाणी समूह के मालिक सोनी परिवार के बैंक खातों और बैंक लॉकर्स के बारे में भी पड़ताल कर रही है।

आशंका है कि टैक्स चोरी के लिए कच्ची पर्चियों का हिसाब कंप्यूटर में कोड वर्ड या अलग फोल्डर में रखा गया होगा। विभाग के एक्सपर्ट्स इन डिवाइसेज की क्लोनिंग कर रहे हैं और डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने का प्रयास कर रहे हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि कानपुर और देश के कई अन्य राज्यों में की गई बटर की सप्लाई में कितनी बोगस बिलिंग हुई है। मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है।

मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है। समूह के संबंध में ऑनलाइन उपलब्ध कंपनी डेटा के अनुसार, मालाणी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में घनश्याम सोनी के अलावा सुनीता सोनी, विनोद सोनी और विवेक सोनी शामिल है। विभिन्न बिजनेस लिस्टिंग प्लेटफॉर्म पर कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है, जो इसके बड़े पैमाने के कारोबार को दर्शाता है। कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस गुलाब सागर क्षेत्र में है, जबकि गोदाम और कामकाज मंडोर मंडी और बासनी/बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्रों से संचालित होता है।

10 लाख रुपए का एमडीएमए पाउडर जब्त, एक गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने ऑपरेशन विष हरण के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 16.75 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जब्त किया है। इसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया गया है।

पुलिस थाना कपासन की टीम ने बीती रात शनि महाराज से कपासन आने वाले मार्ग पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोका गया, जिस पर मण्डफिया गांव निवासी आवेश मोहम्मद (23) पुत्र इकबाल मोहम्मद और एक बाल अपचारी सवार थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 16.75 ग्राम अवैध एमडीएमए मौली पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही पाउडर और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया।

आवेश मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ मनीष त्रिपाठी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विषहरण का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और वृत्ताधिकारी वृत्त कपासन हरजीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गोवर्धन सिंह, कॉन्स्टेबल कुंज बिहारी, देवीलाल, सुशील, राजेन्द्र और महेन्द्र सिंह शामिल थे।

उदयपुर में हाइवे पर दो कारों की भिड़ंत में चार जनों की मौत, छह घायल

उदयपुर के सविना थाना क्षैत्र के नैला तालाब के समीप हाइवे पर हुआ हादसा

- युवक का जन्मदिन होने से कार में साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहे थे जहां बीच रास्ते हादसा हो गया

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र नैला तालाब के समीप हाइवे पर दो कारों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए, जबकि दूसरी कार में सवार चार जने घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सवेरे शहर के नैला तालाब होते हुए हाइवे की तरफ जा रही कार की प्रतापनगर से अहमदाबाद की तरफ जा रही कार से भिड़ंत हो गई। एएसआई प्रीतमसिंह, हेड कांस्टेबल कृष्णपाल मय टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कारों से सभी घायलों पलोदड़ा हाउस निवासी अयान पुत्र अब्दुल रहमान, गुलाम पुत्र गनी मो. नीजाम, वसीम पुत्र युसुफ निवासी खैरादीवाड़ा माणक चौक, मो. कैफ पुत्र मो. निजाम निवासी मुर्शीद नगर, आबिद कुरैशी पुत्र अब्दुल नदीम कुरैशी निवासी बरकत कॉलोनी, शेर मो. पुत्र फरीयाद खान निवासी बरकत कॉलोनी तथा दूसरी कार में सवार जयवीर पुत्र राजवीर जाट निवासी राजगढ़ चूरू, महिपाल पुत्र बद्रीराम, राजबाला पत्नी महिपाल तथा राजेश पुत्र महिपाल को बाहर निकाल उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मो. आबिद, शेर मो., गुलाम, मो. अयान को मृत घोषित कर दिया तथा सभी छह घायलों को उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सवेरे मो. अयान का जन्मदिन होने से वह कार में अपने साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये तथा मामले की जांच में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत : उदयपुर शहर के प्रताप नगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के समीप ट्रेलर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायं प्रतापनगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के सामने कट पर ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में करावली गीगला निवासी वर्दीबाई (34) पत्नी खेमराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई तखतसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर रविवार को पोस्टमार्टम होगा।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने ग्राम सुरसिंहपुरा स्थित शिव मंदिर से दानपात्र व सामान चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मंदिर का सामान, घटना में प्रयुक्त हथौड़ा तथा बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि गत 5 जनवरी को अज्ञात चोर द्वारा सुरसिंहपुरा शिव मंदिर में प्रवेश कर शिवलिंग पर लगा पीतल का छत्र, घंटियां, तांबे के झाड़, कलश व अन्य पूजा सामग्री सहित दानपात्र तोड़कर करीब 15 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फुलेरा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कस्बा जोबनेर से आरोपी प्रवीण कुमार (22) पुत्र सीताराम रैगर, निवासी खटीकों का मोहल्ला, जोबनेर को गिरफ्तार किया गया है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार बीएलओ की मौत

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर-भिवाड़ी हाइवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर कट के पास रोडवेज बस की टक्कर लगने से बाइक से ड्यूटी पर मुसाखेड़ा जा रहे चुनावी कार्य में लगे बीएलओ महेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल पहले पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। महेश के दो बच्चे हैं जिनके ऊपर से अब मां के साथ पिता का साया भी उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे 39 वर्षीय महेश कुमार पुत्र हरिप्रसाद खाती अपनी बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम मूसाखेड़ा जा रहे थे। जब वे बम्बोरा घाटा हनुमान मंदिर के सामने कट के पास पहुंचे, तभी अलवर की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने बस को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सामने से महेश कुमार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महेश कुमार सड़क पर गिर पड़े और बस का टायर उनके ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को सीएचसी किशनगढ़ बास भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रोडवेज बस चालक की घोर लापरवाही के कारण हुआ है। महेश कुमार के परिवार में 12 वर्षीय बेटी पूर्वी और 6 वर्षीय बेटा रक्षित हैं। चार वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर के ऊपर से माता-पिता का साया उठ गया है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस टीम पर हमला, एईएन सहित चार कर्मचारी घायल

- कठूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर
- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है

अलवर, (निसं)। अलवर के कठूमर में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। कठूमर कस्बे में शनिवार सुबह सात बजे विजिलेंस की टीम पर बिजली चोरी कर रहे परिवार ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। मारपीट में एईएन सहित चार कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां लाइनमैन बच्ची सिंह बच्चू सिंह चौधरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी आंख के पास गंभीर चोट आने से खून बहना बंद नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बिजली विभाग के कर्मचारी मोनू ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि पट्टी श्मशान घाट रास्ते पर स्थित मकान पर दो भाई हब्बू मीणा और झब्बू मीणा पास में जा रहे बिजली के पोल से बिजली चोरी कर रहे हैं। सूचना पर विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंची और बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों को गुस्सा आ गया। आरोप है कि दोनों भाई हब्बू और झब्बू मीणा ने उनके बेटों सहित करीब पांच पुरुषों और तीन महिलाओं ने एक साथ मिलकर विजिलेंस की टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी-डंडों और लात-घूसों से उनकी जमकर मारपीट कर दी। हमले में विजिलेंस एईएन प्रमोद शर्मा, कर्मचारी राजकुमार, नरोत्तम यादव और लाइनमैन बच्चू सिंह चौधरी घायल हो गए। वहीं बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

लाइनमैन बच्चू सिंह के परिजन भूपेश शर्मा ने बताया कि उनके हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और आंख के पास से लगातार खून बह रहा था, जिनको कठूमर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां इलाज जारी है।

सांवलिया सेठ के भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए निकले

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार शनिवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

सांवलिया सेठ मंडफिया के भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, वरिष्ठ सहायक कालू लाल तेली, बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

अवैध क्वाट्र्ज खनन पर कार्रवाई

डूंगरपुर। जिला स्पेशल पुलिस टीम (डीएसटी) ने पचलासा बडा क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ बडी कार्रवाई की है। डीएसटी ने रात के अंधेरे में पहाडयिों से क्वाट्र्ज पत्थरों का अवैध खनन करते हुए एक हिटाची मशीन और एक डंपर जब्त किया है। इस दौरान दोनों वाहनों के ड्राइवरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि ऑपरेशन पृथ्वी के तहत जिले में अवैध खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अवैध खनन,भंडारण और परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। डीएसटी को पचलासा बडा के जंगल में रात के समय पहाडयिों से अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही डीएसटी की टीम मौके पर पहुंची। रात के अंधेरे में जंगल से मशीन चलने की आवाज सुनाई दी, जिसके आधार पर टीम उस स्थान पर पहुंची। वहां एक हिटाची मशीन से पहाडियों के बीच पत्थरों का अवैध खनन किया जा रहा था, जबकि एक डंपर में इन पत्थरों को भरकर ले जाया जा रहा था। पुलिस को देखते ही दोनों ड्राइवर भागने लगे,लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड लिया। गिरफ्तार किए गए हिटाची ड्राइवर की पहचान प्रभु पुत्र रामाजी मीणा निवासी जावर माइंस, सलूंबर के रूप में हुई है। वहींए डंपर ड्राइवर दिलीप पुत्र हेमाजी मीणा निवासी गामडी जयसमंद, सलूंबर को भी गिरफ्तार किया गया। मौके पर खनन से संबंधित कोई वैध कागजात नहीं मिले। डीएसटी ने जब्त की गई हिटाची मशीन और डंपर को साबला थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। एसपी ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों और कारोबार के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह के अपराध या अवैध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान और जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

लक्ष्यराज सिंह को विशेष सैन्य सम्मान

उदयपुर, (कासं)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मेवाड़ पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में भारतीय सेना की ओर से विशेष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को ये विशेष पुरस्कार भारतीय सेना को कोविड जैसी विषय परिस्थितियों में दो हाईटेक एंबुलेंस भेंट करने व सेना की सेवा के लिए सदैव समर्पित रहते हुए पुनीत कार्य करने, समाज सेवा, शिक्षा, महिला शिक्षा, चिकित्सा, महिला स्वच्छता प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन के क्षेत्र में 9 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स स्थापित करने के लिए प्रदान किया है। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि मेवाड की शौर्य परंपरा आज भी भारतीय सेना में 9वीं बटालियन द ग्रेनेडियर्स (मेवाड) के रूप में जीवंत है। मेवाड राजघराने और इस बटालियन के बीच ऐतिहासिक, भावनात्मक और परंपरागत मजबूत रिश्ता भी अनूठा है। महाराणा प्रताप की वीरता से प्रेरित यह बटालियन अपने अनुशासन, साहस और बलिदान के लिए जानी जाती है, जो मेवाड़ के लिए गौरव की बात है।

वैष्णव वैरागी प्रीमियर लीग का आयोजन

मावली, (निसं)। वैष्णव वैरागी युवा परिषद के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता वैष्णव वैरागी प्रीमियर लीग 2026 का उत्साह चरम पर है। कानपुर खेड़ा स्थित रॉयल क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।इस भव्य आयोजन में उदयपुर जिले भर से 20 टीमों ने शिरकत की है। खेल की गति को बनाए रखने के लिए मैच एक साथ ठाउंड ए और ग्राउंड बी पर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता में न केवल समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, बल्कि अन्य समाजों के खेल प्रेमियों ने भी बड़ी संख्या में पहुँचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति के सदस्य भरत वैष्णव ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य समाज की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा "वैष्णव युवा टीम समाज के युवाओं को खेलकूद के माध्यम से एकजुट करने और उन्हें आगे लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

बाल संप्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

राजसमन्द, (निसं)। सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा अल्का शर्मा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश के निर्देशानुसार भारत भूषण पाठक अपर जिला न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजसमंद द्वारा राजकीय किशोर एवं बाल संप्रेक्षण गृह का मासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पाठक द्वारा गृह की आधारभूत संरचना एवं उपलब्ध संसाधनों स्टाफ व्यवस्था प्रकरणों की स्थिति आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। वक्त निरीक्षण कुल 34 बालक आवासरत पाये गये। सभी बालकों ने अपने प्रकरण में पैरवी हेतु अधिवक्ता नियुक्त होना बताया। गृह की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। मीनू अनुसार बालकों को भोजन दिया जाना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये गये। चिकित्सक द्वारा बालकों का स्वास्थ्य परीक्षण करना बताया गया। सभी बालक स्वस्थ हैं।

स्टेशनरी व स्वेटर पाकर खिले चेहरे

राजसमन्द, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पीपली डोडियान में शनिवार को भामाशाह द्वारा स्वेटर एवं स्टेशनरी किट वितरण किया गया। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत राकेश कुमावत की प्रेरणा से जिला कलेक्ट्री राजसमन्द में कार्यरत किशनसिंह शेखावत ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी विकास थोरी जीएसटी विभाग, सुरेंद्र यादव सांख्यिकी कार्यालय और राजेश चौधरी एसबीआई बैंक ने जरूरतमंद बच्चों को 51 स्वेटर के साथ साथ 21० स्टेशनरी किट वितरित किए गए। उपप्राचार्य कृष्ण गोपाल नंदवाना ने भामाशाहों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अध्यापक मुकेश कुमार बैरवा, रतन लाल धोबी, विष्णुदत शर्मा, जया पुरोहित, अजय पुनिया, किशनलाल जायसवाल के साथ साथ विद्यालय के सभी कार्मिक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सरकार की मंशा हम पुन: वेदों की ओर लौटें : टीएडी मंत्री

उदयपुर, (कासं)। वन उत्पादों को प्रोत्साहन देने एवं ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा सज्जनगढ़ में शनिवार से आयोजित दो दिवसीय वन मेले का शुभारंभ जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने फीता काटकर किया। मेले में वन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से आए उत्पादक भाग ले रहे है।

मंत्री खराड़ी ने मेले में लगाई गई प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया और वन उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन एवं संभावनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते

उदयपुर के सज्जनगढ़ में दो दिवसीय वन मेले का शुभारंभ हुआ।

- सज्जनगढ़ में दो दिवसीय वन मेले का शुभारंभ हुआ

हुए मंत्री खराड़ी ने कहा कि एक समय था जब देश में लोग दीर्घायु जीवन के लिए वन औषधियों का उपयोग करते थे, लेकिन आज हम केमिकल युक्त चिकित्सा पद्धतियों पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं, जिससे मानव जीवन की आयु पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सरकार की मंशा है कि समाज को पुन: वेदों और प्राकृतिक जीवन पद्धति की ओर लौटाया जाए।

उन्होंने कहा कि वन उपज से दोहरे लाभ प्राप्त होते हैं, एक ओर लोगों को आजीविका का साधन मिलता है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य लाभ भी होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सृजन के लिए ट्राईफेड जैसी संस्थाएं उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। पर्यावरणीय संतुलन की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित दोहन ही भविष्य को सुरक्षित कर सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि वन क्षेत्रों में उपलब्ध उपज से अनेक प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं, जिनमें महुआ और शहद प्रमुख हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के अधिकाधिक लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि जहां वनवासी हैं, ां वन भी सुरक्षित हैं। अरावली के संरक्षण में वन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और वर्तमान में अरावली को लेकर चल रहे विषय चिंताजनक हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि हमारे ग्रामीण समुदाय वनों के महत्व को भली-भांति समझते हैं। अन्य देशों की अच्छी प्रथाओं (बेस्ट प्रैक्टिसेस) को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बांस भी ग्रामीण आजीविका का एक सशक्त माध्यम बन सकता है, जिस पर और अधिक कार्य किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर संभागीय मुख्य वन संरक्षक (टेरिटोरियल) सुनील छिद्रि ने बताया कि यह मेला वन उत्पादों को बढ़ावा देने और ग्रामीण आजीविका में वृद्धि के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मेले में 50 से अधिक विविध स्टॉल्स लगाई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि उदयपुर क्षेत्र में प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ रुपये की वन उपज की बिक्री होती है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय आदिवासी समुदाय को मिलता है। साथ ही आसपास के जिलों में भी इस प्रकार के बाजार विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में सीसीएफ वन्यजीव एस. आर. यादव, उप वन संरक्षक श्री मुकेश सैनी, अजय चित्तौड़ा, उप वन संरक्षक (वन्यजीव) यादवेंद्र सिंह चूंडावत सहित वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बालगृहों व पुनर्वास संस्थानों का निरीक्षण किया

डूंगरपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के वार्षिक एक्शन प्लान के निर्देशों की पालना में और जिला एवं सेशन न्यायाधीश सुनील कुमार पंचोली के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मनोज मीणा ने डूंगरपुर स्थित विभिन्न सामाजिक एवं पुनर्वास संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मनोज मीणा ने मुस्कान संस्थान, डूंगरपुर के अंतर्गत संचालित बालिका गृह एवं बालक गृह, शक्ति सदन, मानसिक विमंदित गृह, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह एवं तपस शैक्षिक पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थानए डूंगरपुर द्वारा संचालित मानसिक विमंदित गृह का भी विस्तृत अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवासियों के रहने की स्थितिए स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संस्थानों में रह रहे बच्चों और आवासियों से संवाद करते हुए उनके विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक /न.पा.ना./69 क/2025/16366 दिनांक : 07.1.26

- : आपत्ती सूचना :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पति पर 69 ए का फ्री होल्ड पट्टे का आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	आवेदित सम्पत्ति कापता एवं माप	पड़ौस			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री लक्ष्मी लाल वागरेचा/श्री कन्हैया लाल वागरेचा	ब्रजपुरा नई हवेली से अहिल्याकुण्ड रोड, नाथद्वारा, भूखण्ड क्षैत्रफल 606.25 वर्गफीट	कुंजडो के मकान	मदन लाल तलेसरा का मकान	गिरिराज राठी का मकान	आनन्द टॉकिज रोड

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक /न.पा.ना./69 क/2025/16375 दिनांक : 07.1.26

- : आपत्ती सूचना :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पति पर 69 ए का फ्री होल्ड पट्टे का आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	आवेदित सम्पत्ति कापता एवं माप	पड़ौस			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री लक्ष्मी लाल वागरेचा/ श्री कन्हैया लाल वागरेचा	लाल बाजार चौक, नाथद्वारा भूखण्ड क्षैत्रफल 8022.63 वर्गफीट	राजकुमार सुराणा की दुकान	दामोदर कावरा की दुकान	फतहलाल खत्री का भूखण्ड	लाल बाजार चौक

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

बालिकाओं को साईकिल बांटी

बांसवाड़ा, (निसं)। बेटियां देश की वर्तमान और भविष्य है इनके बिना सशक्त समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। उक्त उद्गार सामाजिक कार्यकर्ता नारायण लाल भट्ट ने ठीकरिया के राबाउमावि की बालिकाओ को मुख्यमंत्री नि:शुल्क साईकिल वितरण योजना के तहत साईकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद से व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बालिकाओ को साईकिल मिलने से उन्हे स्कूल आने-जाने की समस्या से मुक्ति मिलेगी साथ ही समय की भी बचत होगी। अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य शोभा जैन ने कहा कि निशुल्क साईकिल प्राप्त करना बालिकाओ को शिक्षा प्राप्त करने के लिये न केवल प्रेरित करेगा साथ ही बालिका के बेहतर भविष्य की दिशा में एक कदम आगे बढने का मौका देगा। जैन ने विभाग की विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि साइकिल से विद्यालय आने में सहूलियत होती है वहीं स्वास्थ्य लाभ भी होता है। साइकिल चलाना आत्मविश्वास का संचार भी करता है।

दातापति हनुमान मंदिर में पाटोत्सव का समापन

उदयपुर, (कासं)। हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित श्री दातापति हनुमान मंदिर में पाटोत्सव के अंतर्गत आयोजित पंचदिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का समापन आज श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ हुआ। समापन अवसर पर प्रात:काल पंडित जय नारायण आमेटा एवं पंडित शंकर पालीवाल के आचार्यत्व में सुंदरकांड के पाठ के साथ विधिवत यज्ञ-हवन संपन्न हुए। हवन के दौरान श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

- ठाकुरजी के नगर भ्रमण में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब
- सुंदरकांड पाठ व हवन-यज्ञ संपन्न

हवन-यज्ञ के पश्चात ध्वजा चढ़ाई एवं महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती के उपरांत महिलाओं ने समूह में मंगल गीत गाए। सामूहिक मंगल गीतों से मंदिर परिसर भक्ति भाव से सराबोर हो गया और संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक उल्लास से भर उठा। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक आयोजित भोजन प्रसादी में आदर्श नगर, सर्वोत्तम कॉम्प्लेक्स, कृष्णांगन एवं पीस पार्क सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सभी भक्तों ने प्रसाद ठाहण किया। साथ ही मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं ने भी पंक्तिबद्ध होकर प्रसादी का लाभ लिया।

इससे पूर्व कल पाटोत्सव के अंतर्गत श्री ठाकुरजी महाराज का नगर भ्रमण संपन्न हुआ। नगर भ्रमण दोपहर 1 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर कृष्णांगन तक पहुंचा, जहां ठाकुरजी के विशेष मनोरथ हुए। इसके पश्चात वैशाली कॉम्प्लेक्स के पीछे वाली गली से होते हुए नगर भ्रमण पुन: मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर ठाकुरजी महाराज का स्वागत किया। कृष्णांगन में श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

पाटोत्सव के समापन अवसर पर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक रूप से सजाया गया। कॉलोनी एवं आसपास के इलाकों में ओम पताकाएं एवं धार्मिक ध्वज लगाए गए, जिससे क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंदिर के महंत रामदास वैष्णव ने पाटोत्सव के सफल आयोजन पर सभी श्रद्धालुओं एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि श्री दातापति हनुमान मंदिर, न्यू सर्वोत्तम कॉम्प्लेक्स, वैशाली अपार्टमेंट के पीछे, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर में स्थित है।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT KHERWARA, PANCHAYAT SAMITI KHERWARA (UDAIPUR)

LETTER NO.: 2025-26/ACCTT/312 DATE: 09/01/2026

E-TENDER NOTICE

Bids For Interloking Tiles Work in Gram Panchayat Kherwara are Invited From Interested Bidders Upto 12:00 pm 23 JANUARY 2026. The approximate value of the procurement is Rs Ten Lacs. Other Particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

UBN NO. ZUD2526WSOB03877

NIB code. ZUD2526A3297

PRASHASAK G.P. KHERWARA V.D.O. G.P. KHERWARA

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT KHERWARA, PANCHAYAT SAMITI KHERWARA (UDAIPUR)

LETTER NO.: 2025-26/ACCTT/317 DATE: 13/01/2026

E-TENDER NOTICE

Bids For Interloking Tiles Work in Gram Panchayat Kherwara are Invited From Interested Bidders Upto 12:00 pm 23 JANUARY 2026. The approximate value of the procurement is Rs Twenty Lacs. Other Particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

UBN NO. ZUD2526WSOB03944

NIB code. ZUD2526A3348

UBN NO. ZUD2526WSOB03945

NIB code. ZUD2526A3349

PRASHASAK G.P. KHERWARA V.D.O. G.P. KHERWARA

4 महीने से फरार चोर पकड़े

डूंगरपुर। रामसागडा थाना पुलिस ने 4 महीने से फरार एक शातिर चोरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद से अपना नाम ओर ठिकाना बदलकर राजस्थान ओर गुजरात में भागता फिर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर चोरी का माल भी बरामद कर लिया है।

रामसागडा थानाधिकारी ने बताया कि गिरीश पुत्र प्रेमजी रोत निवासी रातापानी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया की 12 से 19 सितंबर के बीच उसके घर में चोरी की वारदात हुई। घर से सोने चांदी के जेवर चुराकर ले गए। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी किरीट पुत्र शांतिलाल खराडी निवासी नवाघरा गैंजी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली है। वहीं, उसके कब्जे से चोरी के जेवर भी जब्त कर लिए है। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी वारदात के बाद राजस्थान ओर गुजरात में अलग अलग जगहों पर नाम ओर पहचान छुपाकर रह रहा था। आरोपी किरीट हत्या के एक मामले में चालानशुदा है। वहींए चौरासी थाना क्षेत्र में भी नकबजनी के एक मामले में वांछित है।

- चोरी गए जेवर बरामद, पहचान छुपाकर भाग रहा था आरोपी

बैठक आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन की कसारवाडी, तांबेश्वरा एवं भीलकुआं इकाइयों की संयुक्त बैठक में संगठन के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। संगठन के सदस्यों की जिम्मेदारियों की समीक्षा करते हुए नए सदस्यों को संगठनात्मक अवसर प्रदान करने तथा अनुभवी सदस्यों को जिला एवं राज्य स्तर पर दी गई जिम्मेदारियों का मूल्यांकन किया गया। संगठन के गठन से लेकर वर्तमान तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, संस्कृति एवं सामाजिक हितों से जुड़े विभिन्न कार्यों की समीक्षा भी की गई। अध्यक्ष मानसिंह कटारा ने बताया कि संगठन द्वारा समय-समय पर राज्य सरकार को बजट में जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आठाह पत्र प्रेषित किए गए।

बिना कागजात 60 पावर बाइक जब्त

डूंगरपुर। डूंगरपुर में ऑपरेशन संस्कार के तहत सागवाडा थाना पुलिस ने बडी कार्यवाही की है। पुलिस ने बिना कागजात की 60 पावर बाइक जब्त की हैंए जबकि शराब पीकर गाडी चलाने वाले दो युवकों की बाइक भी पकड़ी गई है।

सागवाडा थानाधिकारी ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और पावर बाइकर्स के खिलाफ ऑपरेशन संस्कार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शराब के नशे में गाडी चलाने और पावर बाइक से स्टंटबाजी करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस की चार टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। इन टीमों ने 6० से अधिक पावर बाइक को रोका, जिनके चालकों के पास वाहन के आवश्यक कागजात नहीं मिले। इन सभी बाइकों को जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त शराब पीकर बाइक चलाने वाले दो लोगों को पकडा गया। चालकों की मेडिकल जांच में शराब के सेवन की पुष्टि होने के बाद उनकी बाइक भी जब्त कर ली गई हैं। पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि ऑपरेशन संस्कार के तहत पूरे जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

''खनन और खनिज उद्योगों में पर्यावरणीय स्थिरता'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार शुरू

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय की संगठक इकाई भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूविज्ञान विभाग द्वारा'' खनन और खनिज उद्योगों में पर्यावरणीय स्थिरता'' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस मथारू, आईएफएस (सेवानिवृत्ति) अध्यक्ष, विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (सी एण्ड टीपी) एमओईएफ एंड सीसी भारत सरकार नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की हमारी प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करना होगा। प्रकृति केवल एक जगह नहीं बल्कि हमारी पालनहार है और इसका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है जैसे हम अपनी मां की देखभाल करते हैं।

सतत विकास के लिए आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण को साथ-साथ चलना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधन बचे रहें और प्राकृतिक आपदाएं व स्वास्थ्य समस्याएं कम हों। सम्मानित अतिथि पी के वर्डिया पूर्व निदेशक खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान सरकार ने खनन से होने वाली हानियों पर सभी का ध्यान केंद्रित करते

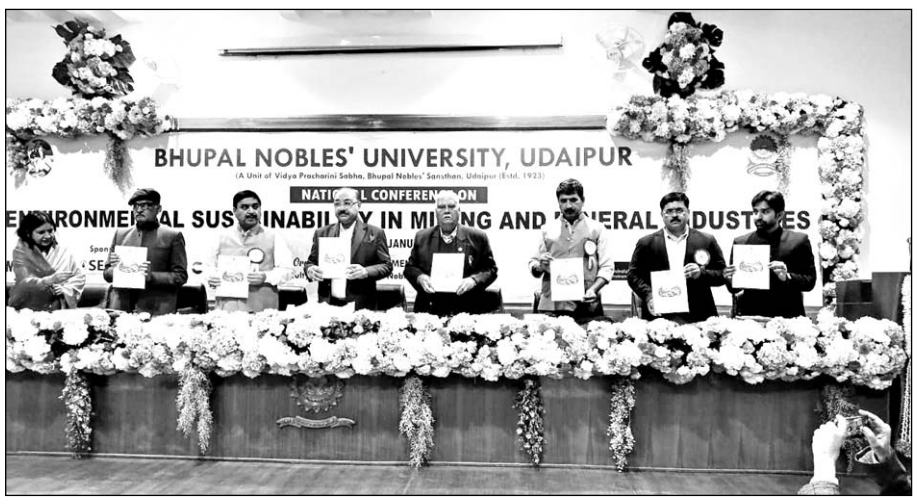

दो दिवसीय राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आगाज हुआ।

हुए बताया कि खनन उद्योग से पर्यावरण को भारी नुकसान होता है, जैसे मिट्टी का कटाव और प्रदूषण, जल प्रदूषण (एसिड माइन ड्रेनेज), जैव विविधता की हानि, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन में योगदान (ठीनहाउस गैस उत्सर्जन), जिससे पारिस्थितिक तंत्र और वन्यजीवों को खतरा होता है। कॉन्फ्रेंस के मुख्य संरक्षक मानद कर्नल प्रो शिवसिंह सारंगदेवोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण वैश्विक और राष्ट्रीय प्रयास हुए हैं, जिन्होंने कुछ क्षेत्रों में ठोस परिणाम दिए हैं, लेकिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अब भी तीव्र, समन्वित और समावेशी प्रयासों की आवश्यकता है। संरक्षक डॉ महेंद्र सिंह राठौड़ सचिव विप्रस ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी से अपनी जरूरतों को कम करके भविष्य सुरक्षित करने के लिए, ज़रूरतों और इच्छाओं में अंतर समझने के लिए कहा साथ ही सकारात्मक लोगों के साथ रहें, ताकि आप वित्तीय रूप से मजबूत होकर भविष्य के लिए एक सुरक्षित नींव बना सकें। इस अवसर पर सह संरक्षक श्रीमान मोहब्बत सिंह राठौड़ प्रबंध निदेशक, डॉ युवराज सिंह राठौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इससे पूर्व कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ रेणू राठौड़ ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में हो रहे नवाचारों से अवगत कराया

कार्यालय नगरपालिका मावली, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक: न.पा.मा./भूमि-तामीर/2025-26/696 दिनांक :- 17.01.26

-:: उजरदारी सूचना :: -

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा उपविभाजन/नामानतरण/भवन निर्माण स्वीकृती हेतु नगरपालिका में आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रार्थी को माफिक नक्शा उपविभाजन, नामान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृती दिये जाने के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो मय दस्तावेजों प्रमाण के 07 दिवस की अवधि में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	पत्रावली संख्या	आवेदनकर्ता का नाम	पड़ौस की स्थिति			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	29/2025-26 (उपविभाजन)	श्री नरेश कुमार गर्ग पिता श्री पन्नालाल गर्ग निवासी मावली गांव तह. मावली जिला उदयपुर (राज.) योजना-पॉस्ट आफिस के सामने वाली गली मावली खसरा संख्या 778 में से भू.स.NILक्षैत्रफल 1250 वर्गफिट	जगदीश जी लखारा का भूखण्ड	चन्दनबाला पत्नी श्री गणपतलाल कोठारी का मकान	कैलाश जी लावटी का मकान	आम रास्ता 27'4" फिट
2.	35/2025-26 (नामान्तरण)	श्री नरेश कुमार गर्ग पिता श्री पन्नालाल गर्ग निवासी मावली गांव तह. मावली जिला उदयपुर (राज.) योजना-पॉस्ट आफिस के सामने वाली गली मावली खसरा संख्या 778 में से भू.स.NILक्षैत्रफल 1250 वर्गफिट	जगदीश जी लखारा का भूखण्ड	चन्दनबाला पत्नी श्री गणपतलाल कोठारी का मकान	कैलाश जी लावटी का मकान	आम रास्ता 27'4" फिट
3.	27/2025-26 (भवन निर्माण स्वीकृती)	श्री नरेश कुमार गर्ग पिता श्री पन्नालाल गर्ग निवासी मावली गांव तह. मावली जिला उदयपुर (राज.) योजना-पॉस्ट आफिस के सामने वाली गली मावली खसरा संख्या 778 में से भू.स.NILक्षैत्रफल 1250 वर्गफिट	जगदीश जी लखारा का भूखण्ड	चन्दनबाला पत्नी श्री गणपतलाल कोठारी का मकान	कैलाश जी लावटी का मकान	आम रास्ता 27'4" फिट

नोट:- प्रार्थी द्वारा उपविभाजन, नामान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृती चाही गयी है। उक्त भुखण्ड पर किसी भी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उपविभाजन पश्चात् नामान्तरण एवं भवन निर्माण स्वीकृती की कार्यवाही भी कर दी जावेगी।

अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका, मावली

संक्षिप्त

96.71 फीसदी अभ्यर्थी रहे उपस्थित

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शी रूप से और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हो रही है। इसी क्रम में शनिवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित हो रही प्राथमिक विद्यालय अध्यापक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2025 का लेवल प्रथम सामान्य शिक्षा की परीक्षा शहर में शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि परीक्षा हेतु शहर में कुल 110 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जहां शनिवार को लेवल प्रथम की परीक्षा में कुल पंजीकृत 34 हजार 290 अभ्यर्थियों में से 33 हजार 162 अभ्यर्थी उपस्थित रहे 1 हजार 128 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, 6 अभ्यर्थियों को विविध कारणों से डिबार किया गया। इस प्रकार कुल 96.71 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को लेवल द्वितीय में पहली पारी सुबह 10से 12.30 तक एवं विज्ञान-गणित विषय तथा दूसरी पारी 3 से 5.3० बजे तक सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित होगी इस हेतु सभी परीक्षा पर केंद्रों पर माकूल सुरक्षा प्रबंधन एवं व्यवस्थाएं की गई है।

निबंध प्रतियोगिता का आयोहजन

डूंगरपुर। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास,जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सिंधी भाषा अधिगम केन्द्र, डूंगरपुर में साधु वासवानी की पुण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। आयोजित प्रतियोगिता में कोमल भावनानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि योगिता भावनानी ने द्वितीय व तंजुजा आडवानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बच्चों को सिंधी शिक्षा मित्र मुकेश आडवानी ने पुरस्कृत भी किया। साथ ही आडवानी ने बच्चो को साधु वासवानी की जीवनी, यथा नारी शिक्षा हेतु मीरा आन्दोलन, सखी संगति, शिक्षा संबंधित कार्य, मानवतावादी सेवा, किताबें, जीवदया, आदि तथा वासवानी द्वारा किये गये कार्यो पर विस्तार पर जानकारी दी।

एसडीएम गरीबों को हक नहीं दिला पाए, तो मैं वेतन नहीं लुंगा : कलैक्टर हसीजा

- **जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे**
- **हर गरीब को खाद्य सुरक्षा का गेंहू इसी माह मिले, बुजुर्गो-एकल नारियों की पेंशन न रुके, यह हमारा ध्येय : जिला कलैक्टर**

राजसमंद, (निसं)। प्रशासनिक हल्के में जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा का एक प्रण चर्चा का विषय बना हुआ है। सुशासन का संदेश देते हुए गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका हक दिलाने के लिए जिला कलैक्टर ने स्पष्ट शब्दों में सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण इसी माह अनिवार्य रूप से किया जाए। निरंतर सभी विकास अधिकारियों, तहसीलदार के माध्यम से समीक्षा की जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे।

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि जिन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका पालनहार सत्यापन 28 जनवरी तक हर हाल में पूरा हो। जो वृद्ध, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन के लिए तरस रहे हैं, उनका सत्यापन इसी माह हो और जो गरीब परिवार गेहूं के इंतजार में हैं, उन्हें एनएफएसए का लाभ इसी माह मिलना चाहिए। जिला कलैक्टर ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय प्रेरणा, उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन के माध्यम से परिणाम लाने का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके ये अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे।

अपने प्रण को व्यवहार में उतारते हुए जिला कलैक्टर ने कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को निर्देश दिए कि उनका (कलैक्टर का) जनवरी माह का वेतन बिल तब तक नहीं बनाया जाए, जब तक सभी एसडीएम शत प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर देते। जिला कलैक्टर के इस संकल्प के बाद शनिवार के अवकाश के दिन भी जिले के सभी उपखंड अधिकारी और प्रशासनिक अमला पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण में जुट गया। इससे यह उम्मीद जगी है कि इसी माह इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूरे होंगे और पात्र गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

यह पहल एक ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार अधिकारी का उदाहरण है, जो अपने पद को नहीं, अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। राजसमंद में जिला कलैक्टर का यह प्रण प्रशासनिक सेवा में जनकल्याण और नैतिक नेतृत्व की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है। उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि मुख्य सचिव की सहृदयता से हूँ अभिभूत, लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे।

मोक्ष कल्याणक मनाया

डूंगरपुर, (निसं)। न्यू कॉलोनी स्थित महावीर मंदिर में श्री 1008 आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया।

पंडित निलेश डेंडू के सानिध्य में प्रात: 7.30 बजे पंचामत एवं शांति धारा की गई पात्र को बोली द्वारा चयन किया। शांतिधारा एवं सौधर्म इंद्र का लाभ निर्मल कुमार भवरा ने लिया। मंडप बनाकर विधि विधान से पंडित निलेश डेडू के सानिध्य में भक्तामर का विधान किया गया। भक्तामर के 48 काव्य के अर्ध चढाकर प्रचात भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याण का लड्डू चढाया गया लड्डू चलाने का लाभ गजेंद्र कुमार गजराज परिवार वालों ने लिया कई धर्म प्रेमी मौजूद थे। इस मौके पर गजेंद्र कुमार, बसंतलाल, पुष्कर, रविंद्र कुमार, प्रेमचंद आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट प्रतियोगिता 31 से

डूंगरपुर। स्थानीय लक्ष्मण मैदान पर 51 वीं टोनी मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता 31 जनवरी से खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता में 16 टीम को लिया जाएगा। टोनी मेमोरियल ट्रस्टी संजीव भटनागर ने बताया कि लगातार 51 वें वर्ष खेली जाने वाली टोनी मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता में जिले के बाहर के चार खिलाडी एक टीम में खेल सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाली टीमों को एंट्री फ्री नहीं देनी होगी। जिन टीमों को प्रतियोगिता में भाग लेने हैं वह टोनी मेमोरियल प्रतियोगिता के आयोजन सचिव जितेन्द्र श्रीमाली से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

छात्राओं ने जानी उद्योग कला की बारीकियां

बांसवाड़ा, (निसं)। राबाउमावि बागीदौरा की आठवीं की छात्राओं को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बागीदौरा का भ्रमण कराया गया। प्रधानाचार्य के निर्देश पर छात्राओं के साथ दल में प्रकाश कौर, जेपी गरासिया, जागृति पण्डया, सोहनलाल गरासिया ने विभिन्न ट्रेडों के प्रशिक्षणार्थियों से बात कर छात्राओं की जिज्ञासा का समाधान किया। इस अवसर पर मोटर मेकेनिक, वायरमेन, एलक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाइंडिंग सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षणार्थियों एवं अनुदेशकों से छात्राओं ने चर्चा भी की वहीं प्रत्येक अनुभाग में जाकर उद्योग कला की बारीकि से जानकारी ली। राष्ट्रीय युवा दिवस प्रदर्शनी को लेकर आयोजित कार्यक्रम में नन्हें प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया।

युवक का इंटर कोस्टल ड्रेनेज ट्यूब प्रक्रिया कर बचाई जान

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, भीलों का बेदला के चेस्ट एवं टीबी रोग विभाग के चिकित्सको ने एक 36 वर्षीय युवक के दॉये फेफडें में इंटर कोस्टल ड्रेनेज ट्यूब (आईसीडीटी) की सफलता पूर्वक प्रक्रिया कर उसकी जान बचाई। हॉस्पिटल की कुशल चिकित्सीय टीम ने त्वरित प्रयास से युवक की जान बचाने में सफलता प्राप्त की। इस सफल प्रॉसिजर में डॉ.अतुल लुहाडिया के साथ साथ डॉ.निश्चय, डॉ.अरविंद, डॉ.गोविंद, डॉ. साहिल,डॉ.ड्यू और तकनीशियन लोकेन्द्र,दीपक और नर्सिंग स्टाफ राम प्रसाद एवं बालू का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दरअसल घासा, मावली निवासी 36 वर्षीय युवक प्रेम सिंह अपनी बहन को छोड़ने के लिए मावली से डबोक की ओर बाइक से जा रहा था। इसी दौरान डबोक चौराहे पर अचानक एक बैल ने उसे टक्कर मार दी। बैल के सींग लगने से प्रेम सिंह का दायां फेफड़ा फट गया, जिससे पूरे सीने और गले तक हवा भर गई और उसे गंभीर रूप से सांस लेने में तकलीफ होने लगी। घटना के बाद परिजन घायल प्रेम सिंह को स्थानीय चिकित्सक के पास लेकर गए, लेकिन उसकी हालत और अधिक बिगड़ गई। गले के नीचे छाती पर गुब्बारे जैसा सूजन आ गया और सांस लेना अत्यंत कठिन हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजन उसे तुरंत पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। यहाँ इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अतुल लुहाड़िया एवं उनकी टीम ने बिना समय गंवाए मरीज की जांच की और तत्काल इंटर कोस्टल ड्रेनेज ट्यूब (आईसीडीटी) की सफल प्रक्रिया की। साथ ही मरीज को ऑक्सीजन थेरेपी भी दी गई, जिससे उसकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ।

डॉ. अतुल लुहाड़िया ने बताया कि मरीज को न्यूमोथोरेक्स हो गया था। न्यूमोथोरेक्स एक गंभीर चिकित्सीय स्थिति है, जिसमें फेफड़े और छाती की दीवार के बीच की जगह (प्लूरल कैविटी) में हवा भर जाती है। इससे फेफड़ा आंशिक या पूरी तरह सिकुड़ जाता है और सांस लेने में गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आईसीडीटी प्रक्रिया कर फेफड़े में भरी हवा निकाली गई। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती थी। डॉ.लुहाड़िया ने बताया कि लगातार मॉनिटरिंग और बेहतर सपोर्टिव केयर के चलते मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

पीएमसीएच के चेयरमेन राहुल अग्रवाल ने इस सफल चिकित्सा उपलब्धि पर डॉ. अतुल लुहाड़िया एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि पीएमसीएच में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और अनुभवी चिकित्सकों की टीम मौजूद है।

सार-समाचार

पशुपालक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

उदयपुर, (कासं)। कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में शनिवार को पशुपालन विभाग द्वारा प्रायोजित भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ग्रामीण मुर्गी पालन भेड़ बकरी पालन अश्व एवं ऊंट पालन के साथ चारा विकास के लिए संभाग स्तरीय प्रशिक्षण में उदयपुर, डूंगरपुर, राजसमंद, बांसवाड़ा तथा प्रतापगढ़ के लगभग 100 किसानों के द्वारा पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपने हेतु प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलचंद मीणा, एडवोकेट दीपक शर्मा द्वारा पशुपालकों को भारत सरकार की योजना का लाभ लेकर स्मॉल इंडस्टरीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया से पूंजीगत लागत का 50 प्रतिशत: अनुदान जो की 3 लाख से 50 लाख की परियोजना रिपोर्ट आवेदन पत्र की समस्त जानकारी आवश्यक दस्तावे उद्यम का विवरण एवं अनुदान आदि की समस्त जानकारी पशुपालकों को शिविर के माध्यम से प्रदान की गई। शिविर को सफल बनाने हेतु पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉक्टर लक्ष्मी नारायण मीणा संयुक्त निदेशक डॉ सुरेंद्र छंगानी, डॉक्टर सुरेश जैन, उपनिदेशक डॉक्टर केदार वैष्णव, डॉक्टर रविंद्र गोयल, डॉक्टर दत्तात्रेय चौधरी, डॉक्टर ओम प्रकाश साहू एवं डॉ पदम मिल के द्वारा विभिन्न विषयों के संदर्भ में गहन तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर प्रफुल्ल भटनागर, डॉक्टर दीपक जैन आदि ने पशुपालकों को कृषि विज्ञान केंद्र में संचालित डेरी का प्रात्यक्षिक पशु आहार पशु प्रबंधन गोबर गैस परियोजना तथा पशु बांझपन निवारण परियोजना आदि के बारे में जानकारी प्रदान की।

पैसि चौपाटी का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक एकेडमी ऑफ हाईयर एजूकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के मैदान में पैसि चौपाटी का आयोजन शनिवार को हुआ। आयोजन का शुभारंभ एग्जीक्यूटिव शेफ संदीप राय राफेल्स ग्रुप ऑफ होटल्स और यूबी श्रीवास्तव प्रेसिडेंट होटल एसोसिएशन एवं शेफ विमल धर द्वारा किया गया। शुभारंभ पर राहुल अग्रवाल, प्रो. बीपी शर्मा, प्रो. शरद कोठारी, प्रो. हेमंत कोठारी, विनोद कुमार सिंह भदोरिया शेफ जैकब जॉन सभी संकाय सदस्य और कर्मचारी गण उपस्थित रहे। मेले में अलग-अलग तरह की स्टॉल्स का प्रदर्शन किया गया। जिसमें पेसिफिक होटल प्रबंधन संकाय की तरफ से मॉकटेल्स,चाय,राब, आइसोलेटेड कोल्ड ड्रिंक, पास्ता,छोले, कुलचे, मिलिट्स टिक्की,कांजी वडा, दही वडा,पानी पुरी, पापडी चाट,डोनट,डार्क चॉकलेट मुझ,आलमंड रॉक्स, राइस फिरनी की स्टॉल्स लगाई गई साथ ही पैसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ डेयरी एंड टेक्नोलॉजी की तरफ से बीट रूट पावर पेटी एंड ग्रीन चटनी की स्टॉल पेसिफिक कॉलेज ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज की तरफ से एसेसरीज की स्टॉल और पेसिफिक कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स की तरफ से अनफोल्ड क्यूब की स्टाल लगाई गई। मेले में विद्यार्थियों ने एकल गीत की भी प्रस्तुति दी सभी ने उत्साह से भाग लिया।

युवा उत्सव का हुआ आयोजन

उदयपुर, (कासं)। महान सेवा संस्थान द्वारा चाइल्ड फंड इंडिया के सहयोग से पानरवा में युवा उत्सव का आयोजन हुआ। चाइल्ड फंड बाल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कोटडा एवं फलासिया ब्लॉक के 35 से अधिक गांवों से आए युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खेल गतिविधियाँ व क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में पुलिस थाना पानरवा के थानाधिकारी भागीरथ, पंचायत शिक्षा अधिकारी संजय सुथार, आजीविका ब्यूरो से रूपलाल, संवैधानिक फेलो धनराज गरासिया तथा महान स्टेप अकादमी के प्राचार्य जगदीश लोहार उपस्थित रहे। इस अवसर पर थानाधिकारी भागीरथ ने युवाओं को साइबर फ्रॉड, पॉक्सो एक्ट एवं ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। महान सेवा संस्थान के सचिव ललित प्रकाश जोशी ने बताया कि संस्था पिछले 35 वर्षों से क्षेत्र में सामाजिक एवं बाल विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यक्रम में कम्युनिटी मोबिलाइजर शांतिलाल, मीठालाल जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन शिक्षिका दिव्या मेघवाल द्वारा किया गया।

मुझे नहीं पता कि इसका प्रमुख कारण क्या था। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक मजबूत शख्सियत हैं और कड़े फैसले लेने से कतराते नहीं हैं। **– मनोज तिवारी**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, गौतम गंभीर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमन मोखाड़े

24 साल के विदर्भ के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ़ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए, मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली, जिससे न सिर्फ़ भारत में बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट फ़ैन्स में उत्साह पैदा हो गया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेकर जिम लेकर ने अपने नाम विश्व रिकॉर्ड वर्षों पहले दर्ज किया था। जो आज तक कोई भी गेंदबाज नहीं तोड़ सका है।

शतरंज : जयपुर के ओजस जोशी ने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

जयपुर, 17 जनवरी। पिंक सिटी के युवा शतरंज खिलाड़ी ओजस जोशी, जो कि पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के छात्र हैं, ने रांची में आयोजित -14 शतरंज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में ओजस जोशी की कप्तानी में केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, जिला एवं राज्य का नाम रोशन किया। ओजस जोशी के जयपुर आगमन पर जिला शतरंज संघ एवं पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों की खाली जगहों को भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन मांगे हैं। इन सहायक कोचों को देश भर के अलग-अलग क्षेत्रीय और नेशनल सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस या प्रशिक्षण केंद्रो पर नियुक्त किया जायेगा।

इंदौर एक दिवसीय मैच में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच होगी बादशाहत की जंग

इंदौर, 17 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में बादशाहत की जंग देखने को मिलेगी। जहां मेहमान टीम लगभग दो दशकों के बाद भारतीय धरती पर एक दुर्लभ वनडे सीरीज जीत दर्ज करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। वहीं भारत घरेलू रिकार्ड को कायम रखते आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगा।

होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के भारत दौरे के तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत अपने शानदार घरेलू रिकॉर्ड को कायम रखते हुए आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगा। भारतीय टीम पिछले 20 सालों में घरेलू जमीं पर न्यूजीलैंड से एक भी वनडे सीरीज नहीं हारी है और इस मैदान पर उसका रिकॉर्ड 7-0 का रहा है।

भारत दूसरे वनडे में राजकोट में सात विकेट से हार के बाद इस मुकाबले में उतर रहा है, जहां केएल राहुल (112) के जुझारू नाबाद शतक और कप्तान शुभमन गिल (56) के शानदार अर्धशतक के बावजूद, उन्हें अच्छी बल्लेबाजी पिच पर 284 रन पर सात विकेट पर रोक दिया गया था। यह स्कोर अपर्याप्त साबित हुआ। न्यूजीलैंड ने 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर इसे आसानी से हासिल कर लिया। डैरिल मिशेल ने ब्लैक कैप्स के लिए शानदार नाबाद 131 रन बनाए, और विल यंग (87) के साथ मिलकर 162 रनों की निर्णायक साझेदारी की। मिशेल इस सीरीज में न्यूजीलैंड के सबसे शानदार खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 215 रन बनाए हैं, जबकि राहुल 141 रनों के साथ भारत के बल्लेबाजी चार्ट में सबसे ऊपर हैं।

भारत की गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, महत्वपूर्ण चरणों में रन देने के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा, जबकि अर्शदीप सिंह को शामिल करने से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ एक बहुत जरूरी स्विंग विकल्प मिल सकता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड पिछले मैच में अपनी अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन से उत्साहित होगा, जिसका नेतृत्व क्रिस्टियन क्लार्क ने किया, जिन्होंने बीच के ओवरों में तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए। हालांकि मेहमान टीम डेथ ओवरों में थोड़ी महंगी साबित हुई है, लेकिन उनके समग्र प्रदर्शन ने उन्हें भारत में एक दुर्लभ सीरीज जीतने का वास्तविक मौका दिया है। होलकर क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें छोटी बाउंड्री और वनडे में पहली पारी का औसत स्कोर 316 है। हालांकि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को सफलता मिली है, लेकिन हाल के मैचों से पता चलता है कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों को फायदा होता है। इस लिये यहां टॉस बहुत महत्वपूर्ण जाता है। टॉस जीतने वाली टीम के पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने की उम्मीद है।

भारत निर्णायक मैच में पसंदीदा बना हुआ है, उसे अपने घरेलू मैदान पर अच्छे प्रदर्शन और 78 प्रतिशत जीत की संभावना का समर्थन प्राप्त है, जबकि न्यूजीलैंड की जीत की संभावना 22 प्रतिशत है। जीत से मेजबान टीम 2-1 से सीरीज जीत जाएगी, जबकि न्यूजीलैंड इतिहास बदलने और एक यादगार जीत दर्ज करने की उम्मीद करेगा।

यूपी वॉरियर्ज ने मुंबई इंडियंस को 22 रनों से हराया

नवीं मुम्बई 17 जनवरी। कप्तान मेग लानिंग (70) और फीबी लिचफील्ड (61) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यूपी वॉरियर्ज महिला टीम ने शनिवार को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 10वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 22 रनों से जीत दर्ज की। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने यूपी वॉरियर्ज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 69 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा दिये। सजीवन सजना (10), हेली मैथ्यूज (13), नेट साइवर ब्रंट (15), निकोला कैरी (छह) और कप्तान हरमनप्रीत कौर 18 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद एमेलिया केर और अमनजोत कौर ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठें विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी हुई। 19वें ओवर में शिखा पांडे ने अमनजोत कौर 24 गेंदों में 41रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मुम्बई इंडियंस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी और 22 रनों से मुकाबला हार गई। एमेलिया केर 28 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रही। जी कमालिनी ने नाबाद नौ रन बनाये। यूपी वॉरियर्ज के लिए शिखा पांडे ने दो विकेट लिये। क्रांति गौड़, सोफी एकल्सटन, दीप्ति शर्मा और क्लोई ट्राइऑन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले यूपी वॉरियर्ज ने आठ विकेट पर 187 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुंबई इंडियंस महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी फीबी लिचफील्ड ने मेग लानिंग के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में अमनजोत कौर ने फीबी लिचफील्ड को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। फीबी लिचफील्ड ने 37 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रन बनाये।अगले ही ओवर में हेली मैथ्यूज ने मेग लानिंग को अपना शिकार बना लिया। मेग लानिंग ने 45 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के लगाते हुए 70 रनों की पारी खेली। मुम्बई इंडियंस के गेंदबाजों ने आखिरी दो ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्ज को रन बनाने से रोका और विकेट भी झटके। हरलीन देओल ने 16 गेंदों में (25) और क्लोई ट्राइऑन ने 13 गेंदों में 21 रन बनाये। श्वेता सहरावत (शून्य) और सोफी एकल्सटन (एक) रन बनाकर आउट हुयी। पारी की आखिरी गेंद पर एमेलिया केर ने दीप्ति शर्मा (शून्य) को आउटकर 187 रन के स्कोर पर मुम्बई इंडियंस के लिए आठवां विकेट झटका। मुम्बई इंडियंस के लिए एमेलिया केर को तीन विकेट मिले। नेट साइवर ब्रंट को दो विकेट मिले। निकोला कैरी, हेली मैथ्यूज और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हराया

विंडहोक, 16 जनवरी। फैसल शिनोजादा (82), खालिद अहमदजई (73) और उजैरउल्लाह नियाजी (नाबाद 51) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 विश्वकप के छठे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 28 रनों से हरा दिया।

267 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 49 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। अदनान लागादीन (10), जोरिच वान शल्कविक (आठ) और कप्तान मुहम्मद बुलबुलिया (17) रन बनाकर आउट हुये। जेसन रोल्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 93 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 98 रनों की पारी खेली। जेसन रोल्स छठे विकेट के रूप में आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आये। , अरमान मनैक (15), पॉल जेम्स (चार), लेथाबो फाहलामोहलाका (22), कॉर्न बोथा (25), डैनियल बोसमैन (20), जेजे बैसन (शून्य) पर आउट हुये। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 47.4 ओवरों में 238 रन ही बना सकी और 28 रनों से मुकाबला हार गई।

अफगानिस्तान के लिए अब्दुल अजीज और खतिर स्टानिकजई ने दो-दो विकेट लिये। नूरिस्तानी उमरजई, हाफिज जादरान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने आठवें ओवर में उस्मान सदात (चार) का विकेट गंवाने के बाद खालिद अहमदजई और फैसल शिनोजादा की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। 35वें ओवर में बयांडा मजोला ने खालिद अहमदजई को आउट कर पवेलियन भेज दिया। खालिद अहमदजई ने 101 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 73 रन बनाये।

अगले ही ओवर में कॉर्न बोथा ने फैसल शिनोजादा को अपना शिकार बना लिया। फैसल शिनोजादा ने 96 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए 82 रनों की पारी खेली।

श्रीलंका के विरन चामुदिथा अंडर-19 विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर करने वाले खिलाड़ी बने

विंडहोक, 17 जनवरी। आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्वकप में शनिवार को श्रीलंका के विरन चामुदिथा ने 192 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टूर्नामेंट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गये है। आज यहां चामुदिथा अंडर-19 विश्वकप 2026 के अपने पहले मैच में जापान के खिलाफ 192 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने हमवतन हसिथ बोयागोडा के 2018 टूर्नामेंट में केन्या के खिलाफ 191 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा, इससे पहले उन्हें टिमोथी मूर ने आउट किया था। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार चामुदिथा ने एक और ऐतिहासिक कारनामा किया है। उन्होंने दीमंथा महाविथान के साथ 328 रन की ओपनिंग साझेदारी की जो कि टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इस बड़ी ओपनिंग साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में जापान की अंडर-19 को जीत के लिए 388 रनों का लक्ष्य दिया।

पुरुष 75 वर्ग : अशोक जिंदल और धवल पटेल अगले राउंड में

जयपुर, 17 जनवरी। 17 से 21 जनवरी तक जय क्लब जयपुर में आयोजित ओ.एन. दीक्षित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स एमटी-400 टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले खेले गए। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मेंस 75 वर्ग में अशोक जिंदल ने सुरेश बजोरिया को कड़े मुकाबले में 6-3, 6-4 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

राजधानी

प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ विकास कार्यों को दें गति, कोताही बरतने पर हो सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री

राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित, लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं एवं योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई।

- **परिवादियों से लिया फीडबैक, आमजन को मिली राहत**

शर्मा ने जिला कलक्टर्स को निर्देश दिए कि आमजन की परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबित परिवादों के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजकीय विभागों और कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाबदेहिता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बरतने पर लापरवाह अधिकारियों और कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान करें, जिससे लागत में वृद्धि न हो और लक्षित को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवादियों से उनके परिवाद निस्तारण पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केन्द्र बिंदु है। अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन सचिव, संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर्स राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पर प्राप्त परिवादों का नियमित सत्यापन करें। श्री शर्मा ने मुख्य सचिव को अधिकारियों के लिए सत्यापन के प्रकरणों की सीमा तय करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान परिवादियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन के लिए धन्यवाद दिया।शर्मा ने जिला कलक्टर्स को विकास कार्यों में आवश्यक भू-आवंटन पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के बाद शीघ्र निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाए। जिन स्थानों पर न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्विति की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स एवं सचिवों को प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ प्रकरणों के निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं जिला कलक्टर्स आईईसी गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अंश कुमार की इंटरैक्टिव आर्ट इंस्टॉलेशन ने साहित्य प्रेमियों का खींचा ध्यान

जयपुर, (निसं)। गुलाबी नगरी में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में इस बार शब्दों और किताबों के साथ-साथ आर्ट भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। शहर में जल्द होने जा रहे जयपुर आर्ट वीक की ओर से कार्यक्रम के बीचों-बीच एक आर्ट इंस्टॉलेशन लगाया गया है। कलाकार अंश कुमार की कला स्थापना 'ताक-झाँक 01' साहित्य समारोह के मेहमानों के साथ इंटरैक्ट करती नजर आई। 12 5.5 3 फीट के इस आर्ट इंस्टॉलेशन को स्टेनलेस स्टील, दर्पण, एल्यूमिनियम और रंग-बिरंगे काँच से तैयार किया गया है। कृति में लगे दर्पण के टुकड़े मिलकर कैलिडोस्कोप जैसे रंग-बिरंगे और बदलते पैटर्न बनाते हैं। इसे तैयार करने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए आर्टिस्ट अंश कुमार ने कहा कि इस कृति के जरिए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि नई सोच अपनाने के लिए पुराने ढर्रों से बाहर आना जरूरी है। इस कृति को जीवंत करने के लिए किसी बड़ी कोशिश की जरूरत नहीं होती-हल्की हवा, जिज्ञासा से किया गया स्पर्श या पवनचक्की पर फूँक भर ही इसे चलाने के लिए काफी है। यह सरलता और खेल-भावना दर्शकों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। इस कला स्थापना को मनोज राम सागर और राहुल की टीम ने साकार किया है, जबकि इसका क्यूरेटोरियल लेख क्लॉडिया स्टोलेरू ने लिखा है।

- **27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर बनेगा ओपन आर्ट गैलरी, सना रेज़वान की पहल**
- **जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में कला की 'ताक-झाँक', जयपुर आर्ट वीक का खास प्रीव्यू**

जयपुर आर्ट वीक की संस्थापक एवं चेयरपर्सन सना रेज़वान की यह कोशिश है कि कला को गैलरी और बंद जगहों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया जाए और भारत सहित दुनिया भर के उभरते व स्थापित कलाकारों को एक साझा मंच मिले। 27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर एक ओपन आर्ट गैलरी के रूप में सजेगा, जहाँ विभिन्न स्थानों पर आर्ट इंस्टॉलेशन लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत : मंजू शर्मा

जयपुर (निसं)। आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत हैं। आज आवश्यकता है कि आदिवासी युवाओं को शिक्षा, तकनीक और नेतृत्व के अवसरों से जोडते हुए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए। यह विचार सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम'' में व्यक्त किए।

- **आदिवासी युवाओं को शिक्षा व तकनीक से जोड़कर सशक्त बनाये : मंजू शर्मा**
- **केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं में नया आत्मविश्वास पैदा किया है : मंजू शर्मा**

सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम'' में शिरकत की।

केंद्र सरकार के माय भारत केन्द्र, जयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों के आदिवासी युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और जीवनशैली को समझने का अवसर मिलता हैं। इससे न केवल आपसी संवाद मजबूत होता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना और भी प्रबल होती है।

मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लिए विशेष रूप से योजनाएँ तैयार की गई हैं।उन्होंने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, वनबंधु कल्याण योजना, पीएम जनजाति विकास मिशन, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे आदिवासी युवाओं को शिक्षा और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं के जीवन में नए अवसर और नया आत्मविश्वास पैदा किया है।

इस अवसर पर माय भारत पश्चिम के क्षेत्रीय निदेशक कृष्ण लाल पारचा, उप निदेशक (राजस्थान) ऋतु रानी , एमिटी कुलपति प्रो. अमित जैन , जिला युवा अधिकारी पंकज यादव सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

परिवहन विभाग के बैकलॉग डेटा अपलोड में अनियमिता को लेकर कार्रवाई के खिलाफ याचिका पर मांगा जवाब

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग में साल 2013 के पूर्व के वाहनों के बैकलॉग डेटा को सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने में अनियमिता से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश देने से जुड़े मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील सैनी व दस अन्य अधिकारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि परिवहन विभाग ने एक आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर गत 20 नवंबर और 9 दिसंबर को आदेश जारी कर प्रदेशभर के परिवहन कार्यालयों में एफआईआर दर्ज कराने और विभागीय कार्रवाई आरंभ करने के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि पुराने वाहनों के पंजीकरण के नवीनीकरण, तीन अंक वाले पुराने नंबरों के संरक्षण और साल 2013 से पूर्व के वाहनों के बैकलॉग डेटा को वाहन सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने में गंभीर अनियमिता की गई, जिससे राज्य सरकार को 400 से 600 करोड रुपए तक का राजस्व नुकसान हुआ। याचिका में कहा गया कि जांच समिति ने बिना वित्तीय सलाहकार की रिपोर्ट लिए कथित नुकसान का आरोप लगाया है और ना ही वाहन वार कोई विवरण जारी किया है।

इसके अलावा जांच रिपोर्ट में इसका खुलासा भी नहीं है कि किस नियम की अवहेलना हुई और किस आधार पर आपराधिक मंशा का आरोप लगाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि साल 2013 से पूर्व सारे काम ऑफलाइन होते थे।

वहीं वाहन सॉफ्टवेयर आने के बाद पुराने रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में दर्ज करना जरूरी किया गया, जिसे बैकलॉग कहा गया। बैकलॉग डेटा अपलोड करना अवैध कार्य न होकर सरकारी आदेशों की पालना थी। इस दौरान कुछ त्रुटियां होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा जांच समिति ने साल 1989 से पूर्व जारी तीन अंकों के नंबरों को वीआईपी और हेरिटेज नंबर बताकर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि उस समय ऐसी कोई श्रेणी मौजूद नहीं थी और सभी वाहन सामान्य क्रम में पंजीकृत होते थे। इसके अलावा विभाग स्वयं समय-समय पर पुराने नंबरों के संरक्षण व ट्रांसफर पर फीस वसूलता है।

ऐसे में यह कहना कि इन नंबरों को नीलाम कर सैकड़ों करोड़ों रुपए की आय होती, अपने आप में काल्पनिक है। इसके अलावा याचिकाकर्ता का पक्ष जाने उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

रीट परीक्षा केंद्र के बाहर अभ्यार्थी को कार ने मारी जोरदार टक्कर

जयपुर(निसं)। गोनेर रोड से सोडाला आई रीट की परीक्षा देने आई अभ्यर्थी को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे रीट अभ्यर्थी प्रियंका घायल हो गई। राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि प्रियंका के पिता की मौत हो चुकी है और वो घर में अकेली कमाने वाली है ।

वो अपने छोटे भाई -बहनों की पढ़ाई का खर्चा चलाने के लिए गोनेर रोड पर एक बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान पर काम करती है। गौरतलब है कि हवा सड़क रोड पर स्थित यश विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में प्रियंका रीट की परीक्षा देने आई थी।

पंचायतों के मजबूत होने से प्रदेश मजबूत होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रदेश के सातों संभाग के प्रशासकों के साथ संवाद किया

जयपुर, 17 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरपंच गांव की आवाज और ग्राम पंचायत शासन की पहली सीढ़ी है। पंचायतों के सशक्त होने से ही प्रदेश मजबूत होगा, क्योंकि विकास का पथ गांवों से होकर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र-'सबका साथ, सबका विकास' को साकार करते हुए गांवों का सशक्तीकरण कर रही है।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के सातों संभागों की ग्राम पंचायतों के प्रशासकों (निवर्तमान सरपंचों) के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंच कोई पद नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प का माध्यम है। सरपंच वह पहला व्यक्ति होता है, जिसके पास गांव का हर नागरिक उम्मीद लेकर आता है। किसान सम्मान निधि, पेंशन, एमएसपी, पेयजल, बिजली, आवास, शौचालय निर्माण, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य केन्द्र जैसी जरूरतों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए गांव सर्वप्रथम सरपंच की ओर ही देखता है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों और योजनाओं का लाभ किस स्तर तक पहुंच रहा है, यह सरपंच ही बेहतर तरीके से जानता है। इस स्थिति में उनका फीडबैक बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सातों संभागों की ग्राम पंचायतों के निवर्तमान सरपंचों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेशाध्यक्ष बंशीधर गढ़ वाल उपस्थित थे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी व जवाबदेह पंचायतीराज व्यवस्था स्थापित करने के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह पंचायतीराज व्यवस्था स्थापित करने के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत कर रहे हैं। ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण और नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत पर अटल ज्ञान केन्द्र की स्थापना भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने नवगठित 8 जिलों में नई जिला परिषदों का गठन किया है। इसी प्रकार पंचायतीराज संस्थाओं के पुनर्गठन एवं नवसृजन के तहत, 85 नई पंचायत समितियां एवं 3 हजार 417 नई ग्राम पंचायतें बनायी गयी हैं। हमने ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने पर भी प्रशासक के तौर पर सरपंचों को नियुक्त किया, ताकि आपके अनुभव का ज्यादा से ज्यादा लाभ हमारे गांवों को मिल सके। शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने पूर्व में संचालित मनरेगा योजना में सुधार करते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) लागू कर ग्रामीण विकास का नया रोडमैप तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने निवर्तमान सरपंचों से अपील कि वे केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं और अंतिम पंक्ति तक इनका लाभ मिलना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रशासकों ने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों एवं आगामी बजट के संबंध में अपने सुझाव दिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें महत्वपूर्ण सुझावों पर नियमानुसार उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेशाध्यक्ष बंशीधर गढ़ वाल सहित, बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों के प्रशासक (निवर्तमान सरपंच) उपस्थित थे।

शिंदे सेना को ठाणे में अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में मिले दबदबे के चलते, सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि शिंदे, भाजपा की सीटों के लगभग एक-तिहाई पर रहने के बावजूद, अपनी पार्टी से मेयर बनाए जाने पर जोर दे सकते हैं।

शिंदे गुट के प्रवक्ताओं और अन्य नेताओं ने, बीएमसी में अविभाजित सेना के लम्बे शासन का हवाला देते हुए, यह भी संकेत दिया है कि "मुंबई का मेयर शिवसेना (शिंदे गुट) से होना चाहिए, क्योंकि यह बालासाहेब (बाल ठाकरे) की विरासत है।"

नतीजे काफी हद तक स्पष्ट होने के बाद शिंदे का रुख अपेक्षाकृत सतर्क दिखा। शिंदे 2024 में भाजपा की 132 सीटों के मुकाबले 57 विधानसभा सीटें जीतने के बावजूद मुख्यमंत्री पद हासिल नहीं कर पाए थे।

उन्होंने मेयर को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, "हमारा एजेंडा विकास है। हमने महायुति (ग्रैंड अलायंस) के रूप में चुनाव लड़ा है और मुंबई के हित में क्या सबसे अच्छा है, यह तय करने के लिए हम साथ बैठेंगे।"

इस गोल-मोल जवाब ने कुछ राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि क्या कोई बीच का रास्ता निकल सकता है, जिसमें शिंदे अपनी पार्टी के किसी नेता को ढाई वर्ष के लिए मेयर बनवाएं और शेष आधा कार्यकाल भाजपा को मिले।

विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा के पक्ष में एक बात यह हो सकती है कि शिंदे सेना ने अपने पार्टी प्रमुख के गढ़ ठाणे में शानदार प्रदर्शन किया है। 131 सदस्यीय ठाणे नगर निगम में पार्टी 70 से अधिक सीटों के साथ 66 के बहुमत आंकड़े से काफी ऊपर है और वहाँ वह मेयर चुन सकती है, जबकि भाजपा के पास वहां सिर्फ 28 सदस्य हैं।

मुंबई का उपनगर होने के नाते ठाणे का अपना महत्व है। इससे शिंदे बीएमसी में प्रमुख समितियों, खासतौर पर बेहद अहम स्थायी समिति, की कमान अपनी पार्टी को दिलाने पर संतोष कर सकते हैं। एक विश्लेषक ने कहा, "किसी भी स्थिति में, यदि शिंदे आसानी से मेयर पद भाजपा को सौंपने के लिए राजी हो जाते है, तो इससे उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है। इसलिए, कम से कम उप-महापौर पद, स्थायी समिति के अध्यक्ष पद और महत्वपूर्ण वार्डों को लेकर पर्दे के पीछे तीखी बातचीत होना लगभग तय है।"

■ शिंदे, इस बार पर वो ही गलती भी नहीं दोहराना चाहते, जो 2024 में विधानसभा चुनाव के बाद की थी। तब, सेना ने 57 सीटें जीती थी तथा भाजपा ने 132, पर, शिंदे ने मु.मंत्री पद के लिए दावेदारी पुरजोर ढंग से पेश की थी, अपने, वोटों को निर्णायक मानकर। पर, शिंदे का यह प्रयास बुरी तरह विफल हुआ था और उन्हें काफी राजनीतिक हानि हुई थी। इस बार, बीएमसी के चुनाव में शिंदे सार्वजनिक रूप से गंभीर सी छवि बनाए हुए हैं और कह रहे हैं "हमने (भाजपा व शिंदे ग्रुप) ने महायुति के गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ा है। अतः, हम बैठकर निर्णय लेंगे, जो मुंबई के हित में होगा।"

ईरान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकतांत्रिक ईरान साझा मूल्यों के आधार पर साझेदारियां बनाने के लिए प्रतिबद्ध होगा। उन्होंने कहा, "जैसा कि मैंने कहा, यह स्वाभाविक ही है कि एक लोकतांत्रिक ईरान संप्रभुता और स्वतंत्रता के संदर्भ में उन देशों के साथ सर्वोत्तम संभव संबंध चाहता है, जो समान मूल्यों का पालन करते हों और विभिन्न क्षेत्रों में हमारे साथ काम कर सकें और साझेदारी कर सकें।"उन्होंने तर्क दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए गहरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है और इस संदर्भ में भारत एक महत्वपूर्ण भागीदार सिद्ध होगा। उन्होंने कहा, "हमारे सामने कई वैश्विक चुनौतियां हैं, ऊर्जा के मुद्दे हैं, जनसंख्या के मुद्दे हैं, ऊर्जा की कमी है और जल संकट भी है।" पहलवी ने भारत की तकनीकी क्षमताओं की भी सराहना की और कहा, प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के मामले में भारत अग्रणी देशों में से एक है। मेरा मानना है कि यही वे चीजें हैं, जो हमें हर उस दिशा में मदद करेंगी, जिस पर हमें ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।"

ममता बनर्जी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच में हस्तक्षेप के ठोस आरोपों से घिरी ममता बनर्जी ध्यान भटकाने और न्याय से बचने का हर संभव प्रयास कर रही हैं। उनके निर्देश पर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ईडी की जांच पर रोक लगाने और ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया और ममता बनर्जी तथा पश्चिम बंगाल पुलिस दोनों को 3 फरवरी तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने उस घेराव और हंगामे की भी कड़ी आलोचना की, जो कलकत्ता उच्च न्यायालय में हुआ था, जहां ईडी ने मुख्यमंत्री और उनके साथ मौजूद स्थानीय पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने ईडी की जांच में हस्तक्षेप किया, उनका काम रुकवाया और मामले से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण सामग्री जांच स्थल से उठा ली थी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय में ईडी की याचिका पर सुनवाई तक नहीं हो सकी, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने अदालत कक्ष को घेर लिया था और ईडी के वकीलों को अंदर तक पहुंचने नहीं दिया। नतीजतन, उच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं ने अदालत कक्ष को एक सार्वजनिक स्थल में बदल दिया था, मानो वह दिल्ली का जंतर-मंतर हो।

अब यह देखना बाकी है कि क्या ममता बनर्जी इस बार भी इस सबसे गंभीर किस्म के दुराचार से बिना दंड के बच निकलने में सफल होती हैं या नहीं। यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि केन्द्र सरकार उनके आचरण को लेकर उन्हें जिम्मेदार ठहराने के लिए कितनी गंभीरता से कदम उठाती है।

26 जनवरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बांग्लादेश स्थित आतंकी समूह दिल्ली सहित, देश के प्रमुख शहरों को को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इंटेलिजेंस अलर्ट के अनुसार, पंजाब के गैंगस्टर विदेश से काम कर रहे खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलर्स के लिए फुट सोल्जर के तौर पर काम कर रहे हैं। आरोप है कि ये हैंडलर्स अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने और देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने के लिए आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया है कि ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकवादी तत्वों से संबंध बना रहे हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड से पहले, उत्तरी जिला पुलिस ने विभिन्न हितधारकों और एजेंसियों की तैयारी और प्रतिक्रिया समय की जांच करने के लिए संवेदनशील और भीड़भाड़ वाली जगहों पर मॉक ड्रिल की एक श्रृंखला आयोजित की।

बांग्लादेश में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का मालिक था। यह दुकान नगरपालिका इलाके के पास बरनगर रोड पर स्थित है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 11 बजे मसूम मिया (28) दुकान में आया। किसी मामूली बात को लेकर उसका दुकान में काम करने वाले 17 साल के कर्मचारी अनंत दास से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। कुछ देर बाद मसूम मिया के माता-पिता, मोहम्मद स्वपन मिया (55) और मजीदा खातून (45) मौके पर पहुंचे और झगड़े में शामिल हो गए। जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष ने बीच-बचाव कर अपने कर्मचारी को बचाने की कोशिश की, तो हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़े से वार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, चोट इतनी गंभीर थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बांग्लादेश में बीते एक महीने में अब तक 9 हिंदुओं की हत्याएं हो चुकी हैं।

'प.बंगाल में मुम्बई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने बंगाली में कहा, इस तृणमूल सरकार को बदलने की ज़रूरत है।

प्रधानमंत्री ने मालदा की रैली में कहा कि निर्दयी और क्रूर तृणमूल सरकार जनता के पैसे की लूट कर रही है और केंद्र की सहायता को बंगाल के लोगों तक पहुंचने से रोक रही है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल की हार और भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही बंगाल में विकास होगा।

आईसीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाड़ियों को आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

यह तथ्य कि भारतीय नागरिकता वाले एक आईसीसी अधिकारी समय पर बांग्लादेश की यात्रा के लिए वीज़ा हासिल नहीं कर सके, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को दर्शाता है। आईसीसी ने वीज़ा मुद्दे पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, हालांकि कुछ निराशा तो है।

टी 20 वर्ल्ड कप शुरू होने में अब तीन सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में बांग्लादेश और आईसीसी दोनों के लिए इस गतिरोध को खत्म कर किसी समाधान तक पहुंचने की घड़ी तेज़ी से टिक-टिक कर रही है।

इंडिगो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने अपनी कार्रवाई के लिए सिर्फ इन्हीं तीन दिनों को आधार बनाया है। जांच समिति ने 26 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

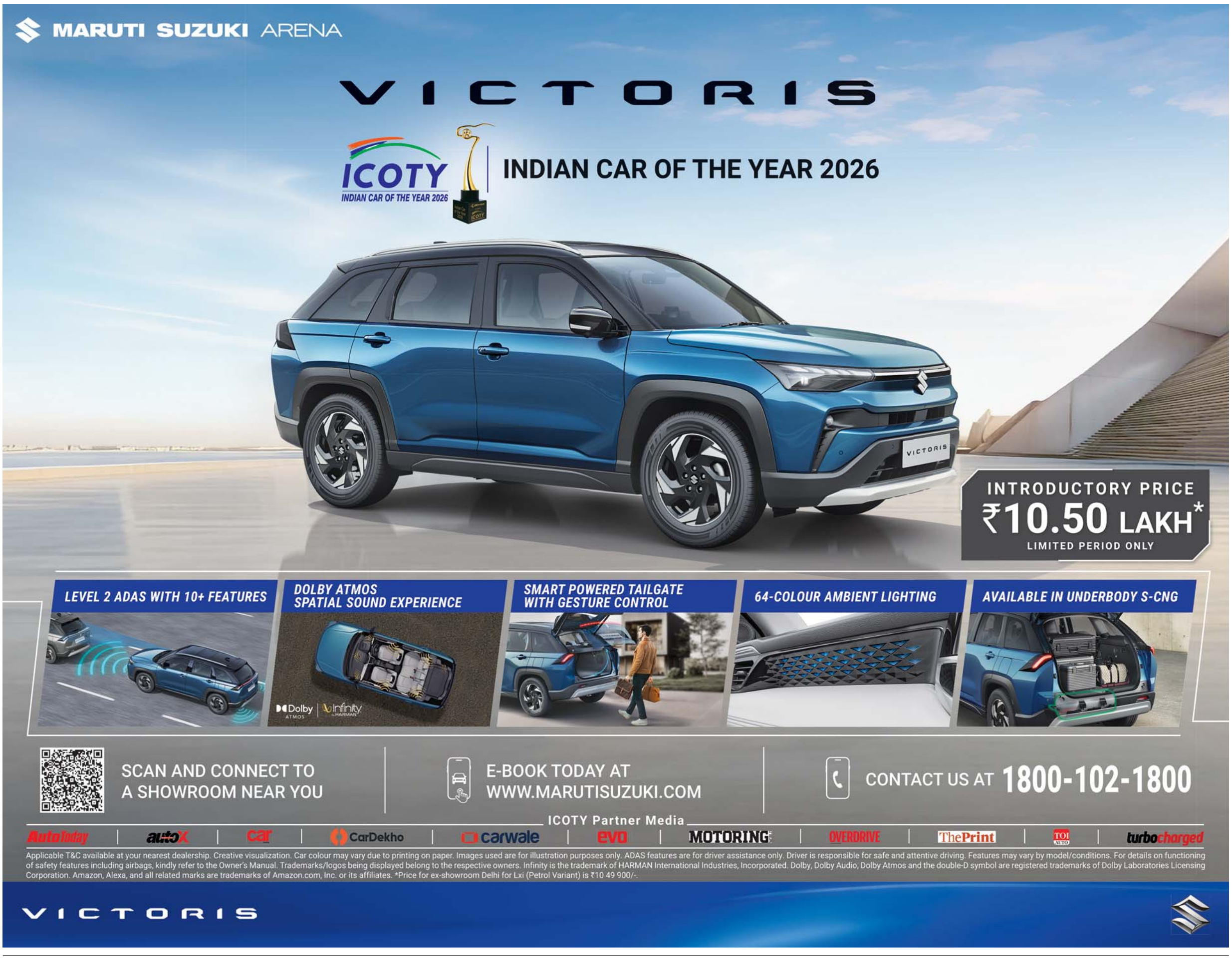

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908